सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

आवश्यकता है
मीडिया हाउस
में काम करने के लिए
ऑफिस बॉय की जरूरत है।
(छुटपुट कुकिंग कार्य करने वाले को प्राथमिकता)
वेतन चार अंकों में ....
पता : शॉप नंबर 12, रेलवे क्रासिंग के पास, आकाशगंगा , सुपेला, भिलाई
संपर्क : 9827806026, 8319932659

वर्ष- 15 अंक - 02 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 14 अक्टूबर 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकी गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब में शांति भंग करने की कोशिश कर रहे आतंकी मॉड्यूल को बड़ा झटका लगा है। अमृतसर पुलिस ने केंद्रीय एजेंसी के साथ एक संयुक्त अभियान में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को गिरफ्तार किया है। दोनों जम्मू-कश्मीर के रहने वाले हैं। डीजीपी गौरव यादव ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों से दो आईईडी, दो हैंड ग्रेनेड, दो मैगजीन के साथ एक पिस्तौल, 24 कारतूस, एक टाइमर स्विच, आठ डेटोनेटर और चार बैटरी बरामद की गई हैं। इस आतंकी मॉड्यूल को लश्कर-ए-तैयबा का सक्रिय सदस्य फिरदौस अहमद भट संभालता है। उसकी शह पर ही पंजाब को त्योहारों में दहलाने की प्लानिंग की गई थी। पंजाब में आने वाले दिनों में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की प्लानिंग चल रही थी।

भाई को लेकर लौट रहे एबीवीपी महामंत्री पर हमला, शराब पिलाने से इनकार करने पर हुआ था विवाद

बिलासपुर। अपने भाई को लेकर लौट रहे एबीवीपी महामंत्री को कलेक्टोरेट के सामने रोककर युवकों ने मारपीट कर दी। इससे पहले युवकों का एबीवीपी महामंत्री के भाई से माल में विवाद हुआ था। हमले में घायल महामंत्री को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने जुर्म दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। सरकंडा के शिवम होम्स में रहने वाले आयुष तिवारी एबीवीपी के महामंत्री हैं। उनके भाई पीयूष तिवारी 36 माल में काम करते हैं। शुक्रवार की रात माल में किसी बात को लेकर पीयूष का कुछ युवकों से विवाद हो गया था। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह समझाकर दोनों पक्ष को अलग किया।

कल दिल्ली से घोषित होगी कांग्रेस की पहली सूची

दावेदारों के लिए निवाला निगलना हुआ मुश्किल

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। सीईसी की बैठक में छत्तीसगढ़ के ज्यादातर प्रत्याशियों के नाम तय हो जाने के बाद पहली कांग्रेस की पहली सूची कल जारी होगी। इस सूची का टिकट दावेदारों को बेसब्री से इंतजार है। खबर है कि कल उन सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए जा सकते हैं, जहां पहले चरण के चुनाव होने हैं। इधर, प्रादेशिक व शीर्ष नेताओं को बगावत का भी डर सता रहा है। हालांकि पार्टी ने ऐसी स्थिति से निपटने के लिए अलग से समिति बना रखी है, लेकिन भाजपा की दो सूचियां जारी होने के बाद जिस तरह का विरोध सामने आया है, उसे लेकर कांग्रेस में भी चिंता है। पार्टी के वरिष्ठ नेता हालांकि प्रदेश में सरकार बनाने को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि भाजपा ने अब तक दो चरणों में अपने 85 प्रत्याशियों का ऐलान कर दिया है। पार्टी ने अपनी पहली सूची अगस्त में ही जारी कर दी थी, जब चुनाव तारीखों का अता-पता भी नहीं था। तब कुल 21 प्रत्याशी घोषित किए गए थे। इसके बाद दूसरे चरण में 84 प्रत्याशियों की घोषणा ठीक उस दिन की गई, जब निर्वाचन आयोग ने चुनाव तारीकों का ऐलान किया। अब भाजपा के सिर्फ 5 प्रत्याशी ही घोषित किए जाने बाकी है। कांग्रेस इस मामले में विपक्षी दल भाजपा से पिछड़ गई है। उसके प्रत्याशियों चुनाव तैयारी तक नहीं कर पा रहे हैं। इस पर कई विधायकों की धुकधुकी इसलिए भी बढ़ी हुई है, लेकिन इस बात के संकेत पहले ही दे दिए गए थे कि इस बार कई विधायकों के टिकट काटे जाएंगे। कांग्रेस के पास वर्तमान में छत्तीसगढ़ में कुल 72 सीटें हैं। इनमें से ज्यादा विधायक करीब दो महीनों से चुनाव तैयारियों में लगे हुए हैं। उन्होंने क्षेत्र में सक्रियता भी बढ़ा दी है। लेकिन इन विधायकों को भी टिकट की अधिकृत घोषणा का इंतजार है। प्रारम्भ में कहा जा रहा था कि कांग्रेस, भाजपा के प्रत्याशियों का इंतजार कर रही है और उसी के अनुरूप प्रत्याशी तय किए जाएंगे। संभवत: प्रत्याशियों के चयन में विलम्ब की एक बड़ी वजह यह भी है।

छत्तीसगढ़ में पिछड़ा वर्ग की आबादी सबसे ज्यादा है और कांग्रेस ने सत्ता संभालने के बाद से इस वर्ग का भरपूर ख्याल रखा है। लेकिन इस बार भाजपा ने भी कांग्रेस को पटखनी देने के लिए अब तक घोषित 85 प्रत्याशियों में से 35 से ज्यादा टिकट इसी वर्ग को दिए हैं। हालांकि पार्टी के भीतर यह आवाज भी उठ रहे हैं कि टिकट वितरण में कई समाजों की अनदेखी की गई है। जिस तरह से भाजपा ने टिकट वितरण में स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं की अनदेखी की है, माना जा रहा है कि उसका नुकसान भी भाजपा को ही होगा। पार्टी ने इस बार के चुनाव में सीएम फेस सामने नहीं किया है। इसके बजाए सामूहिक नेतृत्व व पीएम मोदी के चेहरे को सामने किया जा रहा है। यह काफी कुछ 2018 में कांग्रेस द्वारा अपनाए गए फार्मूले जैसा ही है। दरअसल, भाजपा के शीर्ष नेताओं को लगता है कि पिछले विधानसभा चुनाव में जनता ने डॉ. रमन सिंह के चेहरे को नकार दिया था, जबकि इसके बाद हुए लोकसभा के चुनाव में पीएम मोदी के चेहरे पर वोटिंग की थी, जिसके चलते पार्टी को 11 में से 9 सीटों पर जीत मिली। इसलिए भी छत्तीसगढ़ में डॉ. रमन को इस बार आगे नहीं किया गया। हालांकि छत्तीसगढ़ में टिकट वितरण में उनकी पसंद को खासी तवज्जो मिली है।

आवेदन प्रक्रिया साबित हुई औपचारिक

कांग्रेस ने 2018 की ही तरह इस बार भी टिकट वितरण के जमीनी प्रक्रिया को अपनाया था। प्रत्येक दावेदार को ब्लाक स्तर पर आवेदन करना था। यहां से आवेदन जिला स्तर पर और वहां से प्रदेश संगठन के पास पहुंचे। लेकिन विगत चुनाव की ही तरह इस बार भी इस पूरी प्रक्रिया को शीर्ष स्थल पर ज्यादा महत्व नहीं दिया गया। रायपुर और दिल्ली में बैठकर नए सिरे से माथापच्ची की गई। संभवत: यही कारण है कि पार्टी के नेताओं को कांग्रेस में भी व्यापक स्तर पर विरोध की आशंका बनी हुई है। पार्टी के जानकारों का दावा है कि जिन लोगों के नाम रायपुर से तय हो गए थे, उन्हें पहले ही चुनाव की तैयारियां करने को कहा जा चुका है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में इसकी झलक भी देखने को मिल रही है। प्रत्येक क्षेत्र में पार्टी का एक चेहरा खासतौर पर ज्यादा सक्रिय नजर आ रहा है। अब इस सक्रिय नेता को दिल्ली से टिकट मिलेगी या नहीं, इसी को लेकर संशय है। यदि प्रादेशिक नेताओं द्वारा तैयार की गई सूची और स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा तय नामों पर मुहर लगाई जाती है तो क्षेत्र में सक्रिय ऐसे नेताओं को टिकट मिलने की प्रबल संभालना है।

टिकट वितरण में भविष्य की झलक

ऐसा माना जा रहा है कि कांग्रेस इस बार टिकट वितरण के दौरान भविष्य को भी ध्यान में रखेगी। पार्टी सूत्रों का दावा है कि प्रत्याशी चयन में युवा, अनुभव और सामाजिक व जातीय समीकरणों का विशेष तौर पर ध्यान रखा गया है। पार्टी इस बार 2018 की अपेक्षा ज्यादा महिलाओं को टिकट देने जा रही है। स्वयं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने यह बात कही है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस की प्रभारी कुमारी सैलजा भी कुछ ऐसा ही कह चुकीं हैं। माना जा रहा है कि पिछली बार की ही तरह इस बार भी टिकट वितरण में सीएम भूपेश बघेल की पसंद को महत्व दिया गया है। विगत चुनाव में भूपेश बघेल प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष थे। उनके नेतृत्व के साथ ही एक संयुक्त टीम तैयार की गई थी, जिसमें टीएस सिंहदेव, डॉ. चरणदास महंत और ताम्रध्वज साहू अगुवा थे। सबको अलग-अलग दायित्व सौंपे गए थे और सबने अपेक्षानुरूप योगदान किया था। इस बार के चुनाव में यह प्रक्रिया देखने को नहीं मिली। सामाजिक लामबंदी में भी विगत चुनाव की अपेक्षा इस बार कांग्रेस की स्थिति कमजोर मानी जा सकती है। 2018 में पिछड़ा वर्ग को सकेलने का काम खुद भूपेश बघेल और ताम्रध्वज साहू ने किया था, लेकिन इस बार स्थितियां बदली हुई दिखती है। वहीं सतनामी समाज भी इस बार कांग्रेस से छिटक चुका है, जिसके लिए वैसे तो कुल 10 सीटें हैं, लेकिन इस समाज का प्रभाव 20 से भी ज्यादा सीटों पर है। कांग्रेस के टिकट वितरण में ऐसे वर्ग और समाज को महत्व देखकर उन्हें फिर से साधने की कोशिश की जा सकती है।

पीएम मोदी ने गरबा के लिए लिखा गीत, ध्वनि भानुशाली ने दी आवाज

नईदिल्ली (एजेंसी)। संगीत की दुनिया में मिलियन बेबी के नाम से मशहूर गायिका ध्वनि भानुशाली इन दिनों नवरात्रि के पावन त्योहार का माहौल बना रही हैं। ध्वनि ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की लिखी एक कविता को शब्दों में पिरोया है। साथ ही जेजस्ट म्यूजिक के साथ मिलकर उत्सवपूर्ण गरबा ट्रैक 'गरबो' रिलीज कर यूट्यूब पर छा गई हैं। ध्वनि इस परियोजना से जुड़कर बेहद खुश हैं, और दुनिया के सामने इसे पेश करने का सौभाग्य मिलने पर गौरवान्वित महसूस कर रही हैं।

'गरबो' को गाने का सौभाग्य हासिल होने पर ध्वनि भानुशाली ने एक पोस्ट कर लिखा है, 'नरेंद्र मोदी जी, तनिष्क बागची और मुझे आपके द्वारा लिखा गया गरबा बहुत पसंद आया है। हम एक ताजा लय, रचना और स्वाद के साथ एक गीत बनाना चाहते थे। जेजस्ट ने इस गीत और वीडियो को जीवंत बनाने में हमारी मदद की है।' माननीय प्रधान मंत्री द्वारा लिखे गए सुंदर गीत नवरात्रि के त्योहार के बारे में बताते हैं जो विभिन्न राज्यों के लोगों को संस्कृतियों और परंपराओं को गले लगाते हुए एकजुट करता है। वहीं, प्रधान मंत्री ने ध्वनि के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा है, 'धन्यवाद ध्वनि विनोद, तनिष्क बागची और जेजस्ट टीम। गरबा की इस मनमोहक प्रस्तुति के लिए जो मैंने वर्षों पहले लिखी थी। यह कई यादें वापस लाता है। मैंने कई वर्षों से नहीं लिखा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में मैं एक नया गरबा लिखने में कामयाब रहा, जिसे मैं नवरात्रि के दौरान साझा करूंगा। सोलफुल गरबा।

मंत्रमुग्ध करने वाले हैं प्रधान मंत्री के बोल

'गरबो' नवरात्रि की खुशी और भावना को एक मधुर श्रद्धांजलि देने का वादा करता है। इस गाने को तनिष्क बागची के संगीत के साथ प्रतिभाशाली ध्वनि भानुशाली ने खूबसूरती से गाया है। संगीत निर्माण में जैकी भगनानी की अपार प्रतिभा निश्चित रूप से माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को जीवन में लाएगी, जिससे यह नवरात्रि समारोह में एक अविस्मरणीय जुड़ाव बन जाएगा। जैकी ने कहा, 'प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ इस उल्लेखनीय संगीत परियोजना का हिस्सा बनना मेरे और जेजस्ट म्यूजिक के लिए बेहद गर्व और खुशी का क्षण है। गरबो हमारी सांस्कृतिक विरासत और नवरात्रि के सार के लिए एक श्रद्धांजलि है, और यह संगीत की बाध्यकारी शक्ति का प्रमाण है। यह मेरे लिए एक असाधारण और विनम्र अनुभव है, और मुझे विश्वास है कि गरबो आने वाले कई वर्षों तक नवरात्रि समारोह का एक अभिन्न अंग बन जाएगा।

मतदान के लिए ईवीएम और वीवीपैट की नहीं होगी कमी

■ राज्य निर्वाचन आयोग ने दी जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ वीवीपीएटी (वीवीपैट) का भी प्रयोग किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश में पर्याप्त संख्या में बैलेट यूनिट्स, कंट्रोल यूनिट्स और वीवीपैट उपलब्ध हैं।

निर्वाचन कार्यालय के मुताबिक प्रदेश में राज्य में 55 हजार 071 बैलेट यूनिट, 35 हजार 424 कंट्रोल यूनिट और 41 हजार 613 वीवीपैट उपलब्ध हैं। यह मतदान के लिए पर्याप्त हैं। मतदान के लिए प्रयोग में लाने से पहले ईएमएस साफ्टवेयर का उपयोग कर इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन और वीवीपीएटी को दो बार रेंडमाइज किया जाता है।

प्रथम बार इन्हें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र आबंटित किए जाने के दौरान और द्वितीय बार इन्हें मतदान केंद्र आबंटित किए जाने के दौरान रेंडमाइज किया जाता है। रेंडमाइजेशन और कमिशनिंग की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों तथा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाता है। दोनों रेंडमाइजेशन के बाद ईवीएम एवं वीवीपैट की रेंडमाइज्ड सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों व निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को प्रदान की जाती है।

ईवीएम बैलट पेपर पर अभ्यर्थी का रहेगा फोटोग्राफ

राज्य निर्वाचन आयोग ने जानकारी देते हुए बताया कि मतदाताओं की सुविधा के लिए ईवीएम पर लगाए जाने वाले बैलट पेपर पर अभ्यर्थियों के फोटोग्राफ भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को रिटर्निंग आफिसर के समक्ष हाल ही का स्टैंप साइज की फोटोग्राफप्रस्तुत करना होगा। हर बार की तरह नोटा का प्रावधान इस निर्वाचन में भी रहेगा। मददान प्रक्रिया को पूरी तरह से पारदर्शी होगी और इसकी तैयारियां कर ली गई हैं।

मां बमलेश्वरी और शारदा माता के दर्शन के लिए रेलवे की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डोंगरगढ़ व मैहर स्टेशन में रेलवे ने दी नवरात्र तक सुविधा शारदीय नवरात्र 15 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मातारानी के दर्शन करने निकलते हैं। रेलवे ने श्रद्धालुओं भक्तों की श्रद्धा-भक्ति को ध्यान में रखते हुए हर साल की तरह इस वर्ष भी डोंगरगढ़ और मैहर स्टेशनों में चुनिंदा ट्रेनों का ठहराव दिया है।

मां बम्लेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ में नवरात्र पर्व 15 से 23 अक्टूबर तक मेला में जाने वाले

दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेनों का अस्थायी ठहराव एवं कुछ गाड़ियों के विस्तार की सुविधा प्रदान की जा रही है। ट्रेनों के डोंगरगढ़ व रायपुर तक अस्थायी विस्तार के साथ ही साथ कुछ दूरगामी एक्सप्रेस ट्रेनों का भी डोंगरगढ़ में अस्थायी ठहराव दिया जा रहा हैं।

08742 / 08741 गोंदिया-दुर्ग-गोंदिया मेमू पैसेजर स्पेशल को रायपुर तक विस्तारित की जा रही है। वहीं डोंगरगढ रेलवे स्टेशन में 12722 रायपुर-सिकंदराबाद एक्सप्रेस शाम छह बजकर 34 मिनट एवं 12771 सिकंदराबाद-रायपुर एक्सप्रेस सुबह 11 बजकर 24 मिनट में ठहरेगी। ठहराव दो मिनट का होगा। इसी तरह मध्य प्रदेश के मैहर में मां शारदा के दर्शन एवं नवरात्र मेला 15 से 24 अक्टूबर तक आयोजित किया जाएगा।

18205 दुर्ग-नौतनवा साप्ताहिक एक्सप्रेस का ठहराव 19 से 26 अक्टूबर तक रहेगा। यह ट्रेन शाम छह बजे पहुंचेंगी और छह बजकर पांच मिनट में छूटेगी। 18206 नौतनवा-दुर्ग साप्ताहिक एक्सप्रेस 14 से 21 तक सुविधा मिलेगी। यह ट्रेन रात 12 बजकर 45 मिनट पर पहुंचेगी और 12 बजकर 50 मिनट में छूटेगी। 18201 दुर्ग-नौतनवा द्विसाप्ताहिक एक्सप्रेस का ठहराव 18 से 27 अक्टूबर तक रहेगा। यह ट्रेन शाम छह बजे पहुंचेंगी और छह बजकर पांच मिनट में छूटेगी। 182021 नौतनवा-दुर्ग द्वि साप्ताहिक एक्सप्रेस का ठहराव 15 से 27 अक्टूबर तक रहेगा। यह ट्रेन रात दो बजे पहुंचेंगी और रात दो बजकर पांच मिनट में छूटेगी।

आयुर्वेद के प्रति बढ़ता रूझान कहीं मजबूरी तो नहीं

श्रीकंचनपथ

जीवन शैली में बदलाव और आधुनिक सुख सुविधा के साधनों ने मनुष्य को पहले से कई गुना अधिक बीमार बना दिया है। जीवन प्रत्याशा भले ही बढ़ रही हो पर स्वस्थ जीवन जीने वालों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी इसे लाइफ स्टाइल डिजीज मानता। किसी भी पैथी में इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है। औषधि के अत्यधिक सेवन की अपनी अलग मुसीबतें हैं। इसकी वजह से लिवर खराब हो रहा है, किडनी फेल हो रहा है। गोली चाहे एसिडिटी की हो या आर्थराइटिस की, मानसिक व्याधि की हो या स्नायुतंत्र की, इसके इलाज की कोई मियाद नहीं है। एक रोग दबता है तो दूसरा उठ खड़ा होता है। व्यक्ति जीवित तो रहता है पर जीवन नर्क से बदतर हो जाता है। ऊपर से लगातार बढ़ता खर्च। आबादी का एक बहुत छोटा हिस्सा इस खर्च को वहन करने में सक्षम है। ऐसे में आधुनिक चिकित्सा से विमुख तो उन्हें होना ही था। मजबूरी में लोग घरेलू उपचार करने लगे थे। अब जाकर उन्हें पता चला है कि सरकारी आयुर्वेद औषधालयों में मुफ्त इलाज होता है। न तो डाक्टर की फीस भरनी पड़ती है और न ही दवा खरीदनी पड़ती है। दुर्ग-धमधा मार्ग पर स्थित सरकारी आयुर्वेद अस्पताल में केवल 2 रुपए की पर्ची कटती है। यह पैसा भी वहां रखे एक डिब्बे में डालना होता है। पिछले कुछ महीनों में यहां मरीजों की तादाद बढ़ने लगी है। हालांकि अब भी इसमें अधेड़ों और बुजुर्गों की संख्या ही अधिक है। बालोद से भी ऐसी ही खबरें आ रही हैं जहां प्रति माह 600 से ज्यादा मरीज आ रहे हैं। वहां प्रत्येक गुरुवार को सियान जतन क्लिनिक का संचालन किया जाता है। अधिकांश मरीज उदर रोग, वात रोग, कफयुक्त खांसी, अर्श रोग (पाइल्स) एवं स्त्री रोग के ही होते हैं। दरअसल, कोविड-19 ने लोगों को कुछ समय के लिए परेशान भले ही किया हो, पर उनका ध्यान आयुर्वेद की तरफ आकृष्ट किया है। अपने शरीर के प्रति वे ज्यादा सचेत हुए हैं। आयुर्वेद में जितनी दवाइयां दी जाती हैं, उससे ज्यादा परहेज और पथ्यों के बारे में बताया जाता है। आयुर्वेद अस्पतालों के थेरेपी सेन्टर भी लोगों को हेल्दी लाइफस्टाइल के लिए प्रेरित कर रहे हैं। दरअसल, स्वस्थ रहने के लिए इसी की तो जरूरत थी। लोगों को बीमारी के बारे में बताने के साथ ही उसके कारणों की भी जानकारी दे दी जाए तो वे सावधान हो जाते हैं। परहेज और पथ्य उसके स्वास्थ्य को वापस पटरी पर ले आते हैं। उनके जीवन की गुणवत्ता और उत्पादकता भी बढ़ जाती है। पर दिक्कत यह है कि इन अस्पतालों में अब भी केवल बुजुर्ग ही ज्यादा आ रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी परेशानी बढ़ती उम्र है। लाइफस्टाइल डिजीज की चपेट में तो युवा भी हैं। मोटापा, एसिडिटी, वात-पित्त-कफकी परेशानी से वो भी जूझ रहे हैं। ये कब समझेंगे?

संपादकीय

भड़कता युद्ध

पश्चिम एशिया में युद्ध के हालात का लगातार बिगड़ते चले जाना एक बड़ी चिंता का विषय है। यह बहुत दुखद और शर्मनाक है कि युद्ध रोकने के गंभीर प्रयास नदारद हैं और युद्ध में किसी न किसी का पक्ष लेने की होड़ मची हुई है। उदासीनता की वजह से संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक संगठन का विरोध भी हो रहा है। इजरायल ने करीब साढ़े तीन लाख सैनिक पूरे साजो-सामान के साथ युद्ध में उतार दिए हैं, तो आतंकी संगठन हमास के लगभग 1,200 आतंकियों के बारे में बताया जा रहा है कि वे इजरायल में घुसपैठ कर चुके हैं और भयानक हमले की तैयारी में हैं। दोनों ओर से जुबानी जंग भी घातक हो चली है। एक-दूसरे को मिटा देने या अब तक के सबसे गहरे घाव देने के दावे किए जा रहे हैं। शुद्ध रूप से दहशत की स्थिति है। अब पूरा जोर बस इस बात पर है कि कौन किसको पहले आतंकित कर पाता है। हमास यह बताने में लगा है कि वह इजरायल से अब तक का सबसे बड़ा बदला लेगा, तो दूसरी ओर, इजरायल ने घोषणा ही कर दी है, दुश्मन खुद को मुर्दा मान लें। जिस भाषा में दोनों पक्ष हमलावर हो रहे हैं, वह निकट भविष्य में सुलह की उम्मीद नहीं जगाती। पश्चिम एशिया से जो खबरें आ रही हैं, उनसे पता चलता है कि कम से कम छह देश युद्ध में प्रत्यक्ष या परोक्ष ढंग से कूद गए हैं। हमास पहले से ही सक्रिय है और अब उसके समर्थन में लेबनान की ओर से आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह भी उतर आया है। ईरान भी बांहें चढ़ा रहा है। यह गौर करने की बात है कि हमास और हिज्बुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों की पीठ पर ईरान का मजबूत हाथ रहा है। ये संगठन इजरायल के विरुद्ध वर्षों से विषवमन करते रहे हैं और अब सीधे मैदान में उतरकर चुनौती देने लगे हैं। इन सबके जवाब में इजरायल जो कर रहा है, वह भी बहुत निंदनीय है। उसके हमले में गाजा में मासूम भी मारे जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इजरायल बदला लेने के लिए इतना आक्रामक या अंधा हो गया है कि उसने हमले में अपने ही बंधक बनाए गए नागरिकों को मार गिराया है। युद्ध के भी अपने नियम होते हैं, पर इजरायल को कौन समझाए? अमेरिकी विदेश मंत्री पश्चिम एशिया में ही हैं और वह नसीहत देने के बजाय इजरायल को हरसंभव मदद का आश्वासन दिए जा रहे हैं। क्या एक बार भी अमेरिका को यह नहीं कहना चाहिए कि इजरायल हमले करते समय आम लोगों को निशाना न बनाए। अतार्किक बर्बरता को रोकने का कोई तो उपाय होगा?

> “ युद्ध के भी अपने नियम होते हैं, पर इजरायल को कौन समझाए? अमेरिकी विदेश मंत्री पश्चिम एशिया में ही हैं और वह नसीहत देने के बजाय इजरायल को हरसंभव मदद का आश्वासन दिए जा रहे हैं। क्या एक बार भी अमेरिका को यह नहीं कहना चाहिए कि इजरायल हमले करते समय आम लोगों को निशाना न बनाए।

यह खबर भी झकझोर रही है कि इजरायल ने रासायनिक हथियार का भी इस्तेमाल किया है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने शुक्रवार को इजरायल पर गाजा और लेबनान में अपने सैन्य अभियान के दौरान सफेद फास्फोरस का उपयोग करने का आरोप लगाया है। सफेद फास्फोरस लोगों को गंभीर रूप से जला सकता है और इसका असर लंबे समय तक रहता है। संयुक्त राष्ट्र और दुनिया की बड़ी शक्तियों को बहुत सख्ती के साथ युद्ध के शौकीनों को पाबंद करना चाहिए कि युद्ध नियमों का पालन हो। पिछले शनिवार को शुरू हुए हमले के बाद से पश्चिम एशिया में लगभग 3,000 लोग मारे जा चुके हैं, हजारों घायल हुए हैं और करीब तीन लाख बेघर हुए हैं। यह हमास या हिज्बुल्लाह के आकाओं के बारे में नहीं, बल्कि दोनों तरफके आम लोगों के बारे में सोचने का समय है। मानवता की कराह दुनिया के जिम्मेदार नेताओं के कानों तक जरूर पहुंचनी चाहिए।

मिस्र ने इजराइल को चेताया था!

आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों। ये तो होना ही था। लंबे समय से लग रहा था कि हमास कभी न कभी इजराइल पर बर्बर हमला करेगा। नि:संदेह यह हमला इजरायली खुफिया तंत्र की भयावह असफलता है। किंतु हम सब जानते हैं कि अति आत्मविश्वास घातक होता है। इजराइल को भरोसा था कि उसकी दमदार सेना और अतिकुशल सुरक्षा कवच के चलते हमास गाजा पट्टी के बाहर कुछ भी नहीं कर पाएगा। चन्द मुठभेडें हो सकती हैं लेकिन कुछ बड़ा नहीं होगा। हालाँकि मिस्र ने उन्हें आगाह किया था। ऐसी खबरें हैं कि मिस्र जो इजराइल और हमास के बीच मध्यस्थ की भूमिका अदा करता है ने चेतावनी दी थी कि गाजा का यह आतंकवादी संगठन कुछ 'बड़ा' करने की योजना बना रहा है। लेकिन येरुशलम ने मिस्र की खुफिया संस्थाओं की चेतावनी को बार-बार नजरअंदाज किया। अपना ध्यान वेस्ट बैंक पर केन्द्रित रखा। सिर्फ दस दिन पहले मिस्र के खुफिया विभाग के मंत्री जनरल अब्बास कामेल ने नेतन्याहू को फोन मिलाया था। लेकिन प्रधानमंत्री ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। हालांकि बीबी उर्फ नेतन्याहू ने ऐसी कोई पूर्व चेतावनी मिलने की बात का खंडन किया है और उन्होने राष्ट्र को संबोधित करते हुए ऐसी खबरों को 'झूठा' बताया है।

लेकिन ऐसा कभी नहीं होगा या हो सकता, यह मानना ही खुशफहमी थी। मध्यपूर्व हमेशा बिना शांति के रहा है। इस क्षेत्र में राजनैतिक हालात जटिल हैं और फिलिस्तीनी मसला संवेदनशील और पेचीदा रहा है। पश्चिम एसिया के कई देशों की सरकारें इजराइल के साथ संबंध कायम करना चाहती हैं लेकिन फिलिस्तीनियों के अधिकारों का मामला अरब बिरादरी के लोगों के लिए हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। वे मानते हैं कि संबंध सामान्य होने की संभावना बहुत कम है। सात अक्टूबर को हमास द्वारा किया गया रक्तपात अत्यंत निंदनीय है लेकिन यह भी एक सचाई है कि इजराइल ने 56 साल से वेस्ट बैंक पर कब्जा किया हुआ है और मिस्र के साथ मिलकर उसने गाजा पट्टी की घेराबंदी कर रखी है। फिलिस्तीनी गंदे हालातों में जी रहे हैं। वे हिंसा, बेदखली और अमानवीय स्थितियों का सामना करने को बाध्य हैं। फिलिस्तीनी सरकार के पूर्व सूचना मंत्री डॉ मुस्तफा बरगोती, जो पेलिस्टाइन नेशनल इनिशिएटिव नामक एक लोकतांत्रिक फिलिस्तीनी संगठन का प्रतिनिधित्व करते हैं, और जिनका फतह और हमास दोनों से कोई संबंध नहीं है, ने फरीद जकारिया को दिए गए एक साक्षात्कार में साफ शब्दों में कहा कि यह स्थिति आधुनिक काल के सबसे लंबे समय तक चले कब्जे का सीधा नतीजा है। बेबाकी से अपने विचार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हमास का हमला कई कार्यवाहियों की प्रतिक्रिया था, जिनमें फिलिस्तीनियों पर वहां बसे लोगों द्वारा हमले, वेस्ट बैंक से फिलिस्तीनयों के निष्कासन, इजरायली उग्रपंथियों द्वारा मुस्लिम और ईसाई पवित्र स्थलों पर हमले और इजराइल द्वारा अरब देशों से सामान्य संबंध कायम करना शामिल हैं इन सबको बरगोती ने इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू द्वारा फिलिस्तीनियों के अधिकारों और उनके लक्ष्यों को समाप्त करने का प्रयास बताया है।

तीस साल पहले फिलिस्तीन और इजराइल के बीच ओस्लो शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। एक नई सुबह का उदय हुआ था और नए रिश्तों की शुरूआत व दुश्मनी के खात्मे की उम्मीद जागी थी। वह अब एक सपना भर है। और दोनों पक्ष इस बात पर राजी थे कि पांच साल बाद दोनों समुदाय संप्रभु राष्ट्रों में निश्चित सीमाओं के भीतर बस जाएंगे। और अंतरिम समझौता समाप्त हो जाएगा। लेकिन यह कभी न हो सका। तभी सात अक्टूबर को न केवल ओस्लो समझौते का पूरी तरह खात्मा हो गया बल्कि भविष्य में किसी समझौता वार्ता की संभावना भी समाप्त हो गई। आने वाले दिनों और महीनों में घटनाक्रम क्या रूख लेगा, यह कहा नहीं जा सकता, लेकिन यह एक लंबे युद्ध की शुरूआत है। बेंजामिन नेतन्याहू ने ''एक बड़ी कीमत वसूलने का संकल्प व्यक्त किया है। हमास को अपनी करनी का नतीजा भुगतना पड़ेगा और इस प्रक्रिया में उसके नेता इस्मायल हनिए और मोहम्मद डेफ या तो मारे जाएंगे या गिरफ्तार किए जाएंगे।

> “ आईआईटी संस्थानों के दिए आकंड़े के मुताबिक 2018-23 के बीच 33 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और एनआईटी और आईआईएम में यह गिनती 61 है। इतना होने पर भी हमने इस विषय पर चुप्पी साधने की ठान रखी है या इसको एक अन्य भ्रंश की तरह लेते हैं। माल बनाने वाली फैक्टरियों सरीखे कोचिंग केंद्रों के लिए कुख्यात राजस्थान का शहर, कोटा जहां 'सफलता का स्वप्न' बेचा जाता है, उससे हमारा नाता दिनों-दिन बढ़ रहा है।

जीवन लीलती शिक्षा को खारिज करने का वक्त

अविजित पाठक

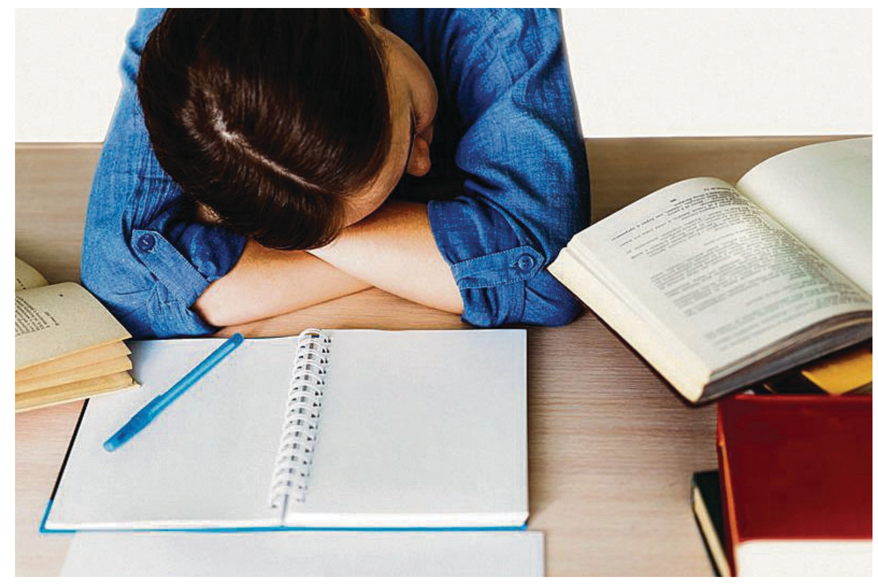

इन दिनों मुझे अत्यंत व्याकुलता का सामना कर पड़ रहा है। क्या हम छात्रों द्वारा आत्महत्याएं को एक आम बात समझकर रफा-दफा कर रहे हैं या फिर यह मानने लगे कि शिक्षा प्राप्ति एवं इससे संलग्न सफलता की दौड़ में यह तो रहता है। कुछ कमजोर और भावनात्मक रूप से नाजुक युवा हताशा में अपनी जान दे देते हैं? विश्वास कीजिए, मैं अक्सर मध्य-वर्गीय अभिभावकों और यहां तक कि अध्यापकों से इस विषय में बात करने का प्रयास करता हूं कि इस किस्म की पढ़ाई, शिक्षा की असल आत्मा को मार रही है और इससे सामाजिक विक्षिप्तता का सामान्यीकरण हो रहा है। मैं उन्हें राष्ट्रीय अपराध ब्यूरो के आंकड़ों के जरिये समझाने की कोशिश करता हूं कि वर्ष 2021 में 13089 छात्रों ने खुदकशी की (औसतन 35 से अधिक प्रतिदिन)। फिर भी वे मानने को राजी नहीं। यह रवैया वर्तमान में पर्यावरण पर बन आए संकट की अलफ सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा है।

आईआईटी संस्थानों के दिए आकंड़े के मुताबिक 2018-23 के बीच 33 विद्यार्थियों ने आत्महत्या की है और एनआईटी और आईआईएम में यह गिनती 61 है। इतना होने पर भी हमने इस विषय पर चुप्पी साधने की ठान रखी है या इसको एक अन्य भ्रंश की तरह लेते हैं। माल बनाने वाली फैक्टरियों सरीखे कोचिंग केंद्रों के लिए कुख्यात राजस्थान का शहर, कोटा जहां 'सफलता का स्वप्न' बेचा जाता है, उससे हमारा नाता दिनों-दिन बढ़ रहा है, भले ही इस साल जनवरी से अगस्त माह के बीच भी, हर महीने खुदकुशी का औसत तीन रहा है।

बेशक, मुझे जीवन को नकारात्मक बनाने वाली इस अंधी दौड़ के पीछे ढांचागत और सामाजिक कारणों का बखूबी भान है। यानी, अत्यधिक जनसंख्या वाले मुल्क में नौकरियों की भारी कमी, नौकरी मिलने की संभावना में कला संकाय से हुई पढ़ाई को दोयम मानना और इसके नतीजे में इंजीनियरिंग, मेडिकल साइंस, बिजनेस मैनेजमेंट और अन्य तकनीकी कोर्सों के लिए बनी आसक्ति। संस्कृति और शिक्षा पर नव-उदारवाद की चोट से जीवन-आकांक्षा का बाजारीकरण और सबसे ऊपर, अत्यंत-प्रतिस्पर्धात्मकता या सामाजिक डार्विनवाद को स्वीकार्यता अर्थात? अन्यायी सामाजिक व्यवस्था में श्रेष्ठता या 'श्रेष्ठम ही जीने लायक' के सिद्धांत को मान्यता देकर जीवन का अंग बना डालना। इस पर चुप्पी साधकर हम व्यवस्था का ऐसा सामान्यीकरण होना गवारा नहीं कर सकते।

बतौर एक अध्यापक, मैं महसूस करता हूं कि हमें इस ढंग की शिक्षा व्यवस्था का आलोचक और नई संभावनाओं को तलाशने वाला बनना चाहिए। शिक्षा बचाओ आंदोलन किए बिना जड़ पकड़ चुकी व्यवस्था को बदला नहीं जा सकता। बेशक, हर छात्र आत्महत्या से नहीं मरा होगा, लेकिन फिर यह भी उतना ही सच है कि लगभग प्रत्येक युवा विद्यार्थी, जो इस शिक्षा प्रणाली का हिस्सा है, वह ऐसे माहौल में बड़ा हो रहा है जो मानसिक तनावों, अवसाद और विफलता के डर में बढ़ोतरी के लिए मुफीद है। वर्तमान व्यवस्था वह है, जिसे अर्थपूर्ण जीवन, प्रेम और सहयोग, नैतिकता, जीवनकाल के उतार-चढ़ावों का निश्चयपूर्ण सामना करने और शांत बने रहने की काबिलियत को सिखाने में जरा रुचि नहीं रखनी है। न ही ऐसी मानसिकता बनाने में, जो बच्चे को जीवन की सरलता में असली खजाना खोजने लायक बनाए, मसलन, नन्हे से पीले फूल पर अठखेलियां करती तितली के नजारे का आनन्द लेना, बुजुर्ग दादी मां के लिए चाय बनाना, खुशियों के पल उनसे साझा करना या फिर सर्दी की रात में रजाई में बैठकर कोई नॉवेल पढ़ना। इसके बरक्स मौजूदा शिक्षा प्रणाली तमाम पवित्र आकांक्षाओं और सपनों को मार रही है, यह युवा मानस को वह घोड़ा बना रही है, जो निरर्थक दौड़ में भागता रहे।

स्कूल से लेकर उद्योग सरीखे बने कोचिंग केंद्रों तक, हमने अपनी शिक्षा का मतलब मानकीकृत परीक्षाओं में उत्तीर्ण करने वाली रणनीति बना दिया है। महान किताबें पढ़ने का आनंद, नूतन विचारों की खोज, विचार-विमर्श, विज्ञान-प्रयोगों से सीखना, साहित्य और कला आधारित पढ़ाई की जगह प्रवेश और मुख्य परीक्षाओं और इनकी तैयारी को अधिक महत्व देने से असली सिखलाई प्रभावित हुई है। आज अगर कुछ महत्वपूर्ण है तो दक्षता व सरपट गति, ताकि ओएमआर शीट पर सही उत्तर के खाने पर तेजी से निशान लगाने की काबिलियत बने।

कोई हैरानी नहीं कि एसीसीक्यू-केंद्रित परीक्षाएं उत्तीर्ण करना सिखाने वाली पुस्तकें युवा शिक्षार्थी की सोच में समाई हुई है। जी हां, ऐसा मानस सौंदर्य-बोध, सृजनशीलता और उत्कंठा से विहीन हो जाता है। जिस किस्म की बुद्धिमत्ता को भाव दिया जा रहा है, वह पूर्णतया मशीनी है, जिसमें कोई सृजनशील कल्पना या दर्शन के प्रति जिज्ञासा नहीं है। आप कोचिंग केंद्र के किसी रणनीतिकार से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वह बच्चे को सूर्यास्त का नजारा, कविता पढ़ने का आनंद या प्रेरक फिल्म की सराहना करना सिखाएगा। वह प्रशिक्षक तो केवल आपके बच्चे को और तेज दौड़ना, दूसरों को पछाड़ना, भौतिकी या गणित को केवल प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने का औजार बनाना, आईआईटी-जेईई और नीट जैसी परीक्षा में प्राप्त स्थान से अपनी काबिलियत आंकने वाली मानसिकता ही बना सकता है। इस किस्म की शिक्षा पद्धति शिक्षार्थी को केवल सांस्कृतिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक रूप से गरीब बनाती है। यह उसके चित्त को जीवन के उतार-चढ़ावों या अस्तित्व संबंधी गहरी खोज पर मनन के लिए तैयार नहीं करती।

इसी तरह की मशीनी शिक्षा कार्ल मार्क्स की उस परिभाषा को वैध बनाती है, जिसे वे 'वस्तु आसक्ति' कहा करते थे। जी हां, वह यह मानकर चलती है कि हमारे बच्चों को इस तरह तैयार किया जाए मानो वे कारखाने से निकली एक वस्तु या दाम की चिंदी लगी चीज हो। उच्च शिक्षा में सम्मान का सूचक बना दिए गए आईआईटी और आईआईएम संस्थानों में दाखिला पाना जो मध्यवर्गीय अभिभावकों के लिए अपने बच्चों के भविष्य का अंतिम मोक्ष-धाम है- इसने युवा मस्तिष्कों को बढ़िया नौकरी और मोटी पगार की मिथकों से सम्मोहित कर रखा है। यदि हमारे बच्चे अपने आप में एक विलक्षण और आत्मनिर्भर व्यक्तित्व बनने की बजाय महज एक निवेश या बिकने की वस्तु बनकर रह जाएं, तो हम एक विक्षिप्त, व्याकुलता-ग्रसित और अत्यंत-तनावयुक्त पीढ़ी बनाने में लगे हैं। भले ही मौजूदा व्यवस्था से आगे चलकर 'प्रेरणादायक वक्ताओं' और 'स्व-सहायता' पुस्तकों का एक अन्य बाजार बन जाए, लेकिन इससे आत्महत्याओं की बढ़ती प्रवृति पर रोक लगाना असंभव है।

बतौर अध्यापक-शिक्षाविद-चिंतातुर नागरिक, हमें जागना होगा, आवाज़ उठानी होगी, जीवन-लील शिक्षा को खारिज करना होगा, नव-जागृति निर्माण और बच्चों को जीवन का अलग नज़रिया देना होगा जो जीवन को सुदृढ़ और सौहार्द से परिपूर्ण करे।

लेखक समाजशास्त्री हैं।

इजरायल पर सरकार ने देर से दिया जवाब

अटल बिहारी वाजपेयी, वरिष्ठ नेता

उपाध्यक्ष महोदय, प्रधानमंत्री ने 9 जुलाई के अपने वक्तव्य के अंत में जो कुछ कहा, मैं उसे उद्धृत करना चाहता हूं। लेबनान की समस्या को कम करने के लिए क्या किया जाना चाहिए, इसकी ओर संकेत देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'ऐसा हल हो, जिसमें लेबनान की प्रभुसत्ता, स्वतंत्रता और क्षेत्रीय एकता, फिलिस्तीन लोगों के अधिकारों सहित एक स्वतंत्र राष्ट्र का उनका अधिकार अवश्य सुनिश्चित हो।'

इन दोनों बातों पर देश एकमत है। आक्रमण आक्रमण है, चाहे वह किसी देश पर हो, दुनिया के किसी भी खंड में हो। इजरायल के आक्रमण का समर्थन नहीं किया जा सकता। पश्चिम एशिया की समस्या तब तक समुचित रूप से हल नहीं होगी, जब तक फिलिस्तीनियों का मामला तय नहीं होगा। ...लेकिन मुझे सरकार से शिकायत है, इसलिए नहीं कि मैं विपक्षी दल में हूं, इसलिए कि क्या वह जरूरी था कि प्रधानमंत्री लेबनान के बारे में बयान देने के लिए संसद की बैठक होने तक रुकतीं। इजरायल ने लेबनान पर हमला शुरू किया 6 जून को, 33 दिन बीत गए,15,000 लोग मार डाले गए, 50,000 घायल कर दिए गए, लाखों बेघर-बार हो गए, ऐसे अत्याचार किए गए, जिन्हें अमेरिका के टेलीविजन पर दिखाने में इजरायल को शर्म आती है, मगर भारत की प्रधानमंत्री नहीं बोलीं। विदेश मंत्री का भी बयान नहीं आया। यह ठीक है कि संसद की बैठक शुरू होने के दूसरे ही दिन बयान दिया गया, मगर तब तक लेबनान का विनाश हो चुका था। जो बयान दिया गया है, वह भी जल्दबाजी में तैयार किया गया है।...

केवल सैनिक उपायों के प्रयोग से हमारा विरोध नहीं है। आखिर, इजरायल का उद्देश्य क्या है, लेबनान पर हमला करना, लेबनान की एकता को खंडित करना, स्वतंत्रता को समाप्त करना, लेबनान में एक कठपुतली सरकार कायम करना। दूसरा उद्देश्य है फिलिस्तीनी मुक्ति मोर्चे को समाप्त करना। हम दोनों में से किसी उद्देश्य के साथ सहमत नहीं हो सकते। हम आतंकवाद के खिलाफ हैं। निर्दोष निरीह व्यक्तियों के विरुद्ध हिंसा अपनाई जाए, इसका समर्थन नहीं किया जा सकता, लेकिन इजरायल के नेता आतंकवादियों पर उंगली उठाएं, यह बात समझ में नहीं आती। वे स्वयं अहिंसावादी नहीं रहे हैं। इजरायल की स्थापना के लिए उन्होंने स्वयं आतंकवाद का सहारा लिया था।...

इजरायल अपनी सीमाओं में एक राष्ट्र के नाते अपना अस्तित्व रखे, इससे किसी को मतभेद नहीं हो सकता है, कम से कम मेरा मतभेद नहीं है, लेकिन ... गोलान हाइट्स पर कब्जा कर लिया, क्योंकि इजरायल की कथित सुरक्षा के लिए गोलान हाइट्स जरूरी है। ईस्ट येरुशलम का क्या होगा? वेस्ट बैंक गया, गाजा पट्टी गई। ...जब पीएलओ पर इस बात का दबाव डाला जा रहा है कि वह इजरायल के अस्तित्व को स्वीकार करे, वहां इजरायल पर भी इस बात के लिए दबाव डाला जाना चाहिए कि वह फिलिस्तीनी समस्या का हल खोजे। इजरायल से यह भी पूछा जाना चाहिए कि उसकी सीमाएं कहां हैं? इजरायल की स्थिर सीमाएं नहीं हैं, उसकी सीमाएं चलायमान हैं, चंचल हैं। इजरायली संसद में जो कुछ लिखा हुआ है, उसके भवन पर वह मैंने भी देखा है। ...इजरायल के सत्ताधारी नेता कहते हैं कि इजरायल किसी देश का नाम नहीं है, यह एक राष्ट्र नहीं है, बल्कि एक परिकल्पना है, एक विचार है, एक सपना है। लेकिन ऐसा लगता है, यह सपना विश्व शांति के लिए खतरा बनने जा रहा है।...

मैं उस समय भारतीय जनसंघ में था। उस समय अरब-इजरायल युद्ध पर हमने एक प्रस्ताव पारित किया था 30 जून, 1967 को और उसमें हमने कहा था कि 'इजरायल को हाल ही में हुए संघर्ष में उसके द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों से अपनी सेनाएं हटानी चाहिए।' यह भी कहा था कि इजरायल को अरबों के साथ सहअस्तित्व के आधार पर जीवित रहना पड़ेगा। उसे भूल जाना चाहिए कि वह कोई गोरों का देश है। उसे अपनी एफ्रो-एशियन-पर्सनैलिटी विकसित करने की जरूरत है। ...अगर जिसकी लाठी उसकी भैंस की तरफ दुनिया आगे बढ़ती गई, तो इसे रोकना ही होगा और इसे रोकने का एक ही तरीका है कि हम विश्व के लोकमत को बनाने का प्रयत्न करें और अपने देश को जल्दी मजबूत बनाने की कोशिश करें, क्योंकि मुसीबत आई, तो कोई साथ नहीं देगा, हमें अपने आप संकटों पर विजय प्राप्त करनी होगी।

(लोकसभा में दिए गए भाषण से)

हमले की निंदा करने में कोई देरी नहीं हुई

पी वी नरसिंह राव, तत्कालीन विदेश मंत्री

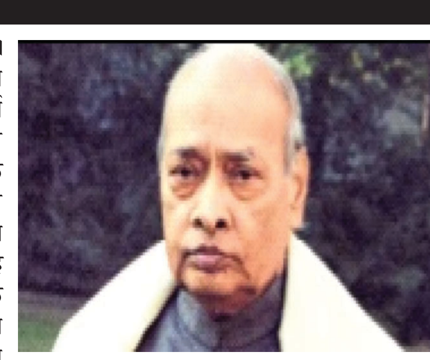

सारे देश फिलिस्तीनी मुक्ति संगठन, फिलिस्तीनी आंदोलन के पक्ष में हैं और इस बात को सदन में चर्चा के दौरान व्यापक रूप से बताया गया है। ...हम जो रुख अपना रहे हैं, उसमें कुछ भी नई बात नहीं है। जैसा कि प्रधानमंत्री ने राज्यसभा में बताया, यदि मुझे अच्छी तरह से याद है, तो इजरायल के बनाए जाने के समय ही हमें यह आशंका थी। हमने संयुक्त राष्ट्र संघ में बहुमत के खिलाफ मत दिया था। संयुक्त राष्ट्र संघ में हमारे प्रतिनिधि ने महासभा के समक्ष बताया कि ग्रेट ब्रिटेन सिद्धांतों और स्वनिर्णय पर बिल्कुल भी ध्यान दिए बिना राजनीतिक व सामाजिक दृष्टि में यहूदी राज्य बनाना चाहता है।

...बार-बार उभर आने वाली इस समस्या का फिलहाल कोई अंत दिखाई नहीं देता है। यदि आप अरब क्षेत्रों पर इजरायलियों द्वारा किए गए हमले की गिनती करें, तो यह बहुत लंबी होगी और यह तो उस सूची की पराकाष्ठा मात्र है। वर्ष 1967 में एक युद्ध के बाद हमने तुरंत संकल्प प्रस्तुत किया था, फिर वर्ष 1973, 1978 और अब 1982 में भी इसी को दोहराया है। अत: यह एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है, जो जारी है...। जब हम 1948 से ही इसका विरोध कर रहे हैं, तो कोई यह कैसे कह सकता है कि प्रधानमंत्री उसे एक अलग-थलग घटना के रूप में ही मान रही हैं। ...यह सच है कि प्रधानमंत्री ने इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और लंबी भूमिका से अपनी बात शुरू नहीं की। ...वह लोगों को, संसद को और समूचे संसार को यह बताने की कोशिश कर रही थीं कि जो कुछ भी वहां हो रहा है, उस पर तुरंत ध्यान दिया जाना अत्यावश्यक है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले वहां से सेना हटाई जाए। जब तक वहां सेना है, तब तक उसे हटाने के सिवाय आप कुछ सोच ही नहीं सकते। ...हम एक स्थायी समाधान के लिए विधिवत काम शुरू करें।

एक प्रश्न यह किया गया कि 4 जून से जब आक्रमण शुरू हुआ है, तब से हमने क्या पहल की है? मैं सभा को यह बताना चाहता हूं कि 6 जून को जब इस आक्रमण से पहले पहली बार हवाई हमला हुआ था, हम लोग हवाना में थे, गुटनिरपेक्ष ब्यूरो की बैठक जारी थी। ...हमने तुरंत ही चेयरमैन को गुटनिरपेक्ष देशों की ओर से सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए अधिकृत कर दिया था। ...7 जून को दिल्ली में विदेश मंत्रालय के सरकारी प्रवक्ता द्वारा वक्तव्य दिया गया। तब तक मैं देश से बाहर ही था। भारत सरकार ने इस वक्तव्य में स्पष्ट शब्दों में फिलिस्तीन के खिलाफ इजरायल द्वारा अकारण किए गए हमले की निंदा की है।... तत्पश्चात 9 जुलाई को प्रधानमंत्री ने संसद के दोनों सदनों में वक्तव्य दिया था। ...अत: सदन को शीघ्रातिशीघ्र जानकारी दी जाती रही है और शुरू से ही पहल की जाती रही है। ...भारत गुटनिरपेक्ष ब्यूरो द्वारा स्थापित कार्य दल का सदस्य था। भारत ने महासभा प्रस्ताव का प्रारूप तैयार किया और उसे सह-प्रायोजित किया, जिसका 127 देशों ने समर्थन किया तथा केवल दो देशों इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका ने विरोध किया था, जबकि कोई देश तटस्थ नहीं रहा।...

यहां पर हुए वाद-विवाद में उठाए गए प्रश्नों का सार निकालूं और अपने उत्तर सारांश निकालूं, तो वह इस प्रकार होगा :- इजरायल द्वारा लेबनान में नरसंहार व आक्रमण से विश्व-शांति को भीषण खतरा पैदा हो गया है और यह तीसरे विश्व युद्ध का रूप ले सकता है।

इजरायल को सुरक्षा परिषद के उस सर्वसम्मत प्रस्ताव का तत्काल पालन करना चाहिए, जिसमें कहा गया है कि इजरायल को युद्ध-विराम करके अपनी फौजें अपने क्षेत्र में वापस ले आनी चाहिए। विशेष रूप से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों को इस प्रस्ताव के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए परिषद में अपनी हैसियत के अनुसार अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। जब वे अपने वीटो का इस्तेमाल कर सकते हैं, तो उन्हें सही दिशा में अपने प्रभाव का भी इस्तेमाल करना चाहिए।

लेबनान की प्रभुसत्ता, एकता एवं क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए और उसकी सुरक्षा की जानी चाहिए। अरब-इजरायल समस्या का समझौते द्वारा सम्मानजनक एवं स्थायी हल निकाले जाने की अविलंब आवश्यकता है। ...कोई भी ऐसा हल फ्लस्तीनियों के आत्म-निर्णय के तथा अपने देश में एक स्वतंत्र-राष्ट्र के हस्तांतरणीय अधिकारों की मान्यता पर ही आधारित होना चाहिए।

(लोकसभा में दिए गए भाषण से)

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

दुर्गा पूजा-गरबा आयोजकों की जिला प्रशासन ने ली बैठक

रायपुर। नवरात्रि व विधानसभा चुनाव के मद्देनजर इस वर्ष नवरात्रि में गरबा आयोजन करने वाली समितियों को सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरा लगान के अलावा देर रात तक आयोजन न करने का भी सुझाव दिया गया है। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, रायपुर एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर ने बैठक में उपस्थित सभी लोंगो को अवगत कराया है कि विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू हो चुकी है। ऐसे में यथासंभव प्रयास करना चाहिए कि देर रात तक आयोजन न हो, ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग तय समय सीमा तक करें। आयोजन में अनाधृकित एवं असमाजिक तत्वों से बचाव के लिए पंडालों में कैमरा भी लगाया जा सकता है। दुर्गा पूजा उत्सव समितियों से कहा गया कि आम यातायात बाधित न हो, ऐसा पंडाल लगाया जाए। रात 10 से सुबह 6 बजे तक ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग बंद रखा जाए। सार्वजनिक स्थल में तेज आवाज में डी.जे. एवं धुमाल जैसे ध्वनि विस्तार यंत्र का उपयोग करते पाये जाने पर कार्रवाई की जाएगी। दुर्गा माता की प्रतिमाओं का विसर्जन दशहरा एवं दशहरा के अगले दिवस तक होगी। रासगरबा एवं डांडिया जैसे आयोजनों में पास के माध्यम से केवल परिवार के साथ जाने वाले अथवा कपल को ही एंट्री दिया जाये जिससे किसी प्रकार के विवाद जैसी स्थिति निर्मित न हो।

प्रदेश में पहले चरण के मतदान के लिए अधिसूचना जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विधानसभा आम निर्वाचन के पहले चरण के लिए शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गई। इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरूआत हो गई। पहले दिन 20 विधानसभा सीटों के लिए किसी प्रत्याशी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। प्रथम चरण में बस्तर संभाग की 12 समेत राजनांदगाँव, , मोहला -मानपुर -अंबागढ़ चौकी , खैरागढ़- छुईखदान- गंडई तथा कबीरधाम जिलों के 08 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया जाना है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में दो चरणों में हो रहे निर्वाचन के पहले चरण की 20 सीटों के लिए 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र भरे जा सकते हैं। 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जाँच की जाएगी तथा प्रत्याशी 23 अक्टूबर तक अपना नाम वापस ले सकेंगे। प्रथम चरण के लिए 07 नवंबर को मतदान होगा जबकि दोनों ही चरणों के लिए मतगणना 03 दिसंबर को होगी। प्रथम चरण में कोंटा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, चित्रकोट, जगदलपुर, बस्तर , नारायणपुर , कोंडागांव ,केशकाल ,कांकेर ,भानुप्रतापुर, अंतागढ़, मोहला- मानपुर, खुज्जी, डोंगरगांव, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, खैरागढ़, कवर्धा और पंडरिया विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान होगा।

नाम निर्देशन पत्र लेने एवं जमा करने की प्रक्रिया प्रारंभ

राजनांदगांव। विधानसभा आम निर्वाचन 2023 के अंतर्गत नाम निर्देशन पत्र फार्म लेने एवं जमा करने की प्रक्रिया आज 13 अक्टूबर से प्रारंभ हो गई है। आज पहले दिन जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के कुल 13 व्यक्तियों द्वारा अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के लिए नाम निर्देशन पत्र प्राप्ति के लिए जिला कार्यालय में पहुंचकर नाम निर्देशन फार्म लिया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी खेमलाल वर्मा ने बताया कि आज पहले दिन विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 74 - डोंगरगढ़ के लिए 2, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 76-डोंगरगांव के लिए 3 व्यक्तियों ने फार्म लिया।

छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले से मिला चेम्बर एवं कैट (सीजी चेप्टर) का प्रतिनिधि मंडल

चुनाव को लेकर जांच और सुरक्षा के नाम से प्रदेश के व्यापारी हो रहे परेशानः पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि चेम्बर का प्रतिनिधि मंडल चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले से मिलकर आगामी चुनाव के मद्देनजर प्रदेश में चौक चौराहों/चेक पोस्ट में व्यापारियों को ईव्हे बिल एवं नकदी संचलन संबंधी परेशानियों से अवगत कराया। जिस पर श्रीमती कंगाले जी ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर शहर के चौक चौराहों/चेक पोस्ट में जांच और सुरक्षा के नाम पर जिले के व्यापारियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जांच में वहां उपस्थित पुलिस एवं जाँच अधिकारियों द्वारा व्यापारियों पर ऐसे वस्तुएं जिनमे ईव्हे बिल की आव्यश्यकता नही होती है को लेकर अनुचित कार्यवाही की जा रही है। श्री पारवानी जी ने छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र क्रमांक एफ 10-31/2018/वाक/पांच(46) का हवाला देते हुए आगे बताया कि राजपत्र के कॉलम 2 और कॉलम 3 में 15 प्रकार के मालों (परिषेण) को लेकर स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया गया है कि ऐसे मालों का संचलन छत्तीसगढ़ के किसी अन्य जिले के क्षेत्र से आरंभ होकर राज्य के किसी भी जिले के क्षेत्र में समाप्त होता है तो ऐसे वस्तुओं (मालों) पर छत्तीसगढ़ राज्य में अंतर्राज्यीय संचलन के लिए ईव्हे बिल आवश्यक नही है। परंतु प्रदेश में जिलों के चौक चौराहों /चेक पोस्टों में व्यापारियों से जांच अधिकारी द्वार ईव्हे बिल की मांग कर परेशान किया जा रहा है जैसे सोने चांदी के आभूषणों पर ई वे बिल की आवश्यकता को लेकर कहीं पर भी इसका उल्लेख नहीं है फिर भी जांच अधिकारियों द्वारा सोने चांदी के आभूषणों की ई-वे बिल की मांग करते हैं जो अव्यावहारिक है। श्री पारवानी जी ने त्योहारी सीजन को लेकर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि रायपुर सहित कुछ जिले छत्तीसगढ़ के प्रमुख व्यापार केंद्र है यहां से प्रदेश के सभी जिलों एवं गांव में बड़ी मात्रा में व्यापार किया जाता है, वर्तमान में चल रहे त्योहारी सीजन जिसमे नवरात्र, दशहरा एवं दीपावली जैसे बड़े त्योहार है जिसमे व्यापारियों द्वारा बड़ी मात्रा में प्रदेश में माल (सामान) परिवहन तथा व्यापार संचालन हेतु नगद राशि को भी जांच अधिकारियों द्वारा जांच के दायरे में लाया जा रहा है तदोपरांत व्यापारी द्वारा नगद राशि से संबंधित बिल एवं रसीदें प्रस्तुत करने के बाद भी उनकी बातें नहीं सुनी जाती है।

जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान एवं मानसिक प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है तथा प्रदेश में व्यापार हेतु अनुकूल वातावरण नहीं बन पा रहा है। बैठक में श्रीमती कंगाले जी ने उक्त समस्याओं पर सकारात्मक आश्वासन दिया। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष-राजेन्द्र जग्गी, राम मंधान, चेंबर सलाहकार जीतेन्द्र दोशी, उपाध्यक्ष टी श्रीनिवास रेड्डी, भरत जैन, मंत्री नीलेश मूंधड़ा, शंकर बजाज, कैट (सीजी चेप्टर) अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष वासु माखीजा, उपाध्यक्ष प्रितपालसिंह बग्गा, महामंत्री सुरिंदर सिंह, संयुक्त कोषाध्यक्ष राकेश ओचवानी, सराफा एसोसिएशन से सुरेश भंसाली, दीपचंद कोटडिया, प्रवीण कुमार मालू, दिलीप मालू एवं सुनील पारख प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में सफलतापूर्वक चलाया जा है मेरी सहेली अभियान

ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए है प्रतिबद्ध सभी स्टेशनों में तैनात हैं महिला आरपीएफ कर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए रेल मंत्रालय ने महिलाओं के लिए यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न पहल की हैं। ये प्रयास मुख्य रूप से महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर केंद्रित हैं। रेलवे सुरक्षा बल ने महिलाओं, विशेष रूप से चयनित लंबी दूरी की ट्रेनों में अकेले या बच्चों के साथ यात्रा करने वाली महिलाओं के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ मेरी सहेली, ऑपरेशन मातृशक्ति आदि जैसी कई पहल शुरू की हैं।

'मेरी सहेली' टीमें लंबी दूरी की ट्रेनों में अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की ट्रेन यात्रा के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति पर त्वरित प्रतिक्रिया देकर, प्रारंभिक बिंदु से उनके अंतिम गंतव्य तक सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं। वर्तमान में, महिला आरपीएफ कर्मियों से युक्त 230 से अधिक समर्पित मेरी सहेली टीमों को देश भर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर तैनात किया गया है, जो 400 से अधिक ट्रेनों को कवर करती हैं और हर दिन औसतन चौदह हजार से अधिक महिला यात्रियों को सहायता प्रदान करती हैं ।

यह पूरे भारत में महिलाओं के लिए ट्रेन यात्रा को सुरक्षित बनाने की पहल के समर्पण और प्रभावशीलता को रेखांकित करता है। ये टीमें यात्रियों को उनकी यात्रा के दौरान उठाए जाने वाले सुरक्षा उपायों के बारे में शिक्षित करने और संकट की स्थिति में सहायता प्राप्त करने के लिए उपलब्ध चैनलों के बारे में जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मेरी सहेली की 13 टीम कार्यरत है, जो कि 13 अलग-अलग ट्रेनों को कवर करती है । रेलवे सुरक्षा बल की मेरी सहेली टीम में महिला कांस्टेबल से लेकर महिला सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर शामिल है ।

महिला आरपीएफ कर्मी ट्रेनों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं । यह गर्व की बात है कि समस्त केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में रेलवे सुरक्षा बल में महिलाओं का प्रतिशत सबसे अधिक है । नई भर्ती की गई महिलाओं को उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए 'मेरी सहेली' टीमों में शामिल किया जा रहा है । आरपीएफ की महिला कर्मी न केवल महिला रेल यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करती हैं, बल्कि मुसीबत में महिला यात्रियों की मदद भी करती हैं आरपीएफ की महिलाकर्मी ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत इन महिलाओं की गोपनीयता की रक्षा करते हुए उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक बच्चे के जन्म की सुविधा प्रदान करती हैं ।

भारतीय रेलवे में आरपीएफ ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक ट्रेनों या रेलवे परिसरों में प्रसव के 130 ऐसे मामलों में सहायता प्रदान की है । इस वर्ष दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 13385 ट्रेनों में लगभग 1 लाख 5 हजार अकेले यात्रा कर रही महिला यात्रियों को मेरी सहेली की टीम ने सहायता पहुंचाई । इसमें बिलासपुर रेल मण्डल में 4772 ट्रेनों में 55584 महिला यात्री, रायपुर रेल मण्डल में 5351 ट्रेनों में 37674 महिला यात्री तथा नागपुर रेल मण्डल 3262 ट्रेनों में 10918 महिला यात्री शामिल हैं । भारतीय रेल का यह कदम ट्रेन के सफर को महिलाओं के लिए बेहद सुरक्षित बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है । इस अभियान से महिला यात्रियों में सुरक्षा की भावना जागृत हुई है साथ ही आत्मविश्वास भी बढ़ी है । इस अभियान से महिला यात्री अपने गन्तव्य तक सुरक्षित महसूस करते हुए आत्मविश्वास के साथ यात्रा कर रही है ।

निर्वाचन में व्यय निगरानी को लेकर अपर कलेक्टर ने ली सहायक व्यय प्रेक्षकों की बैठक

निर्वाचन में व्यय निगरानी को लेकर अपर कलेक्टर ने ली सहायक व्यय प्रेक्षकों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन की घोषणा पश्चात अपर कलेक्टर राजीव कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में सहायक व्यय प्रेक्षक एवं वीएसटी टीम की बैठक ली। अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने कहा कि जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावशील हो चुकी हैं, सभी निर्वाचन आयोग के निर्देशों का गंभीरता से पालन करेंगे। उन्होंने वीएसटी (वीडियो निगरानी टीम)एवं व्यय लेखा टीम को उनके दायित्वों की जानकारी दी। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर श्री युवराज मरमट उपस्थित रहें।

अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने सभी सहायक व्यय प्रेक्षक को कहा कि प्रत्याशी के आमसभा, रैली रोड़ शो की सूचना प्राप्त होने के पश्चात वीएसटी टीम को सूचना प्रदान करने के निर्देश दिए। उन्होंने सूचना के प्राप्त होने पश्चात वीएसटी टीम को सभा स्थल में पहले पहुंचना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सुसंगत गतिविधियों की निगरानी के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उक्त वीडियो का अवलोकन टीम एवं लेखांकन टीम के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन व्यय निगरानी का कार्य करने के निर्देश दिए। ताकि वीडियो से प्रत्याशी के खर्चों का अवलोकन किया जा सके। इस दौरान उन्होंने कहा कि व्यय वैधानिक होने पर प्रत्याशी के खर्च में जुड़ेगा। अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने टीम को एक्टिव रहने एवं रिटर्निंग ऑफिसर से समन्वय रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय एफएसटी (उडन् दस्ता टीम) के प्रशिक्षण में भी शामिल हुए। उन्होंने प्रशिक्षण में एफएस.टी.को उनके कार्यों की विस्तृत जानकारी देते हुए भारत निर्वाचन आयोग विधानसभा निर्वाचन-2023 में सी-विजिल मोबाइल एप के उपयोग के संबंध में जानकारी दिए।

उन्होंने कहा कि एप के जरिए कोई भी व्यक्ति आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन की गतिविधियों या घटनाओं की शिकायत चंद मिनटों में दर्ज करा सकता है। जिले में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन की शिकायते होने पर समय रहते कार्रवाई की जाएगी है। साथ ही सी-विजिल मोबाइल एप पर शिकायत प्राप्त होते ही उडन्दस्ता एफएस.टी. तुरंत मौके पर पहुँच कर जरूरी कार्रवाई करेगी।

मनोविज्ञान विभाग, साइंस कालेज में मानसिक स्वाथ्य जागरूकता पर पोस्टर प्रतियोगिता संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शा. वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग, के मनोविज्ञान विभाग में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आज 12 अक्टूबर को पोस्टर प्रतियोगिता का आयों किया गया इसमें छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया।

कार्यक्रम की संयोजक एवं विभागाध्यक्ष के अनुसार मानसिक स्वास्थ्य सार्वभौमिक अधिकार पर केन्द्रित पोस्टर प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करना था. महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एस..एन. झा ने छात्र-छात्राओं द्वारा बनाये गए पोस्टर का अवलोकन किया एवं उनकी सराहना की. प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. कृष्णा चटर्जी , डॉ. ज्योति धारकर एवं डॉ.अंशुमाला चन्दनगर द्वारा निभाई गई. निर्णयको ने कहा रंग संयोजन के कारण अंकों में थोड़े उतार-चढाव आये है.प्रतिभागियों ने थीम को बखूबीध्यान में रखा है. डॉ. प्रतिभा शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु.श्रेया, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, द्वितीय स्थान वैशाली ,बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर एवं तृतीय स्थान आभा खूटे, पीजीडीजीसी एवं रेखा यादव बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर को प्राप्त हुआ. अन्य प्रतिभागियों में दीपक चांडक, ममता ,कृति, दिव्या एवं अनुष्का के बनाये गए पोस्टर की भी सराहना की गई।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में तापमान आसमान पर, गर्मी ने किया बेहाल

रायपुर (ए)। आने वाले तीन दिनों में प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम व न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार से प्रदेश भर से दक्षिण पश्चिम मानसून की विदाई हो चुकी है। रायपुर का अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहे। प्रदेश भर में एआरजी डोंगरगढ़ सर्वाधिक गर्म रहा, यहां का अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

शुक्रवार को रायपुर सहित प्रदेश का मौसम शुष्क रहा। तेज धूप के साथ ही अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होने से गर्मी भी थोड़ी बढ़ी है। रायपुर का अधिकतम तापमान 35.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि आने वाले दिनों में अधिकतम व न्यूनतम तापमान में विशेष बदलाव नहीं होगा। प्रदेश भर में इस वर्ष एक जून से लेकर 30 सितंबर तक 1061 मिमी सेज्यादा बारिश हुई है। वहीं रायपुर जिले में भी एक हजार मिमी से ज्यादा बारिश हुई है।

अक्टूबर आखिरी हफ्ते से गिरेगा न्यूनतम तापमान

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि अक्टूबर आखिरी हफ्ते से न्यूनतम तापमान में ज्यादा गिरावट शुरू होगी,इससे ठंड में भी बढ़ोतरी होगी। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में ज्यादा ठंड पड़ने की उम्मीद है। इन दिनों दिन छोटा होते जा रहा है और रात बड़ी हो गई है।ॉ

वालीबॉल, रस्सा खींच स्पर्धा का आयोजन आज

रायपुर। अग्रवाल नवयुवक मंडल और अग्रवाल महिला मंडल, अग्रसेन जयंती महोत्सव की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आयोजन में चार चांद लगा रहे हैं। खेल कूद हो या सांस्कृतिक कार्यक्रम सभी में बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

वहीं अग्रसेन जयंती के पूर्व अग्रवाल समाज के सभी वर्ग चाहे महिला हो, बच्चे हो, युवा हो या फिर वरिष्ठ सभी के लिए विविध कार्यक्रम खेल कूद, नृत्य, संगीत सभी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करने जा रहा हैं। ये आयोजन अग्रसेन जयंती तक जारी रहेगा। आज वालीवॉल प्रतियोगिता, रस्सा खींच प्रतियोगिता, सोलो बाईक, घड़ा फोड़ प्रतियोगिता गांधी चौक नेवरा में होगी। साथ ही आनंद मेला का आयोजन रात्रि 7:30 बजे से नया अग्रसेन भवन में होगा।

मतदान के लिए उपयोग से पहले ईवीएम और वीवीपैट का दो बार किया जाता है रेंडमाइजेशन

मतदान के दिन वास्तविक मतदान शुरू होने के 90 मिनट पहले मतदान अभिकर्ताओं की मौजूदगी में की जाती है मॉक पोल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ वीवीपीएटी (वीवीपैट) का भी प्रयोग किया जाएगा। इसके लिए प्रदेश में पर्याप्त संख्या में बैलेट यूनिट्स, कंट्रोल यूनिट्स और वीवीपैट उपलब्ध हैं। राज्य में 55 हजार 071 बैलेट यूनिट्स, 35 हजार 424 कंट्रोल यूनिट्स और 41 हजार 613 वीवीपैट उपलब्ध हैं।

मतदान के लिए प्रयोग में लाने से पहले ईएमएस सॉफ्टवेयर का उपयोग कर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन और वीवीपीएटी को दो बार रेंडमाइज किया जाता है। प्रथम बार इन्हें विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र आबंटित किए जाने के दौरान और द्वितीय बार इन्हें मतदान केंद्र आबंटित किए जाने के दौरान रेंडमाइज किया जाता है। रेंडमाइजेशन और कमिश्निंग की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों तथा निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाता है। दोनों रेंडमाइजेशन के बाद ईवीएम एवं वीवीपैट की रेंडमाइज्ड सूची मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों व निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को प्रदान की जाती है।

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची को अंतिम रूप देने के बाद ईवीएम एवं वीवीपैट की कमिश्निंग की जाती है। निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यह काम किया जाता है।

कमिश्निंग हॉल में लगाए गए टीवी मॉनिटर के माध्यम से अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता वीवीपैट में सिंबल (चुनाव चिन्ह) लोडिंग की प्रक्रिया को देख सकेंगे। कमिश्निंग के बाद प्रत्येक ईवीएम और वीवीपैट में नोटा सहित प्रत्येक उम्मीदवार के लिए एक वोट देकर मॉक पोल किया जाता है। इसके अतिरिक्त रेंडम रूप से चुने गए पांच प्रतिशत ईवीएम एवं वीवीपैट पर 1000 वोट डालकर मॉक पोल किया जाता है। इनके इलेक्ट्रॉनिक परिणाम का मिलान भी वीवीपैट के पेपर स्लिप से किया जाता है।

मतदान के दिन वास्तविक मतदान शुरू होने के 90 मिनट पहले मतदान अभिकर्ताओं की उपस्थिति में तीन बार मॉक पोल किया जाता है। इस दौरान नोटा सहित प्रत्येक अभ्यर्थी के लिए एक वोट डालकर कम से कम 50 वोट के साथ मॉक पोल किया जाता है। कंट्रोल यूनिट पर प्राप्त मॉक पोल के परिणाम का मिलान वीवीपैट से प्रिंट की गई पर्ची के साथ कर एक प्रमाण पत्र पीठासीन अधिकारी द्वारा तैयार किया जाता है। मॉक पोल के तुरंत बाद कंट्रोल यूनिट का क्लियर बटन दबाकर मॉक पोल का डॉटा डिलीट किया जाता है। साथ ही मॉक पोल की वीवीपैट पेपर स्लिप को कंपार्टमेंट से निकाल कर काले रंग के लिफाफे में भरकर सील किया जाता है।

ईवीएम बैलट पेपर पर अभ्यर्थी का रहेगा फोटोग्राफ

मतदाताओं की सुविधा के लिए ईवीएम पर लगाए जाने वाले बैलट पेपर पर अभ्यर्थियों के फोटोग्राफ भी प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके लिए अभ्यर्थियों को रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष हाल ही का स्टैंप साइज का फोटोग्राफ प्रस्तुत करना होगा। हर बार की तरह नोटा का प्रावधान इस निर्वाचन में भी रहेगा।

लाइव वर्कशॉप में डॉक्टरों ने महिला की बच्चादानी से निकाला ट्यूमर

रायपुर (ए)। रायपुर मेडिकल कॉलेज के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा चिकित्सा महाविद्यालय के हीरक जयंती पर आयोजित हैंड्स ऑन लाइव हिस्टेरोस्कोपी एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी वर्कशॉप के पहले दिन शुक्रवार को पुणे से आये विशेषज्ञ डॉ. विनायक महाजन ने गर्भाशय की विभिन्न समस्याओं से पीड़ित महिलाओं की लाइव सर्जरी कर प्रतिभागियों को हिस्टेरोस्कोपी का प्रशिक्षण दिया। डॉ. विनायक महाजन के साथ प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योति जायसवाल, डॉ रुचि किशोर गुप्ता एवं टीम ने ऑपरेशन थियेटर में मरीजों की जीवंत सर्जरी की और वर्कशॉप में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने इसका सीधा प्रसारण इमोक हाल के प्रोजेक्टर पर देखा।

कार्यशाला के पहले दिन उद्घाटन सत्र में चिकित्सालय महाविद्यालय की भूतपूर्व अधिष्ठाता एवं वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आभा सिंह, चिकित्सा महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. तृप्ति नागरिया, अस्पताल अधीक्षक डॉ. एस. बीएस नेताम ने अति विशिष्ट अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति

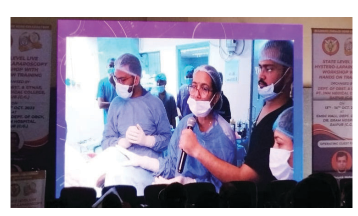

दर्ज कर सभी डॉक्टरों की हौसला अफजाई की। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर छत्तीसगढ गायनी एंडोस्कोपी के अध्यक्ष डॉ. मनोज चेलानी एवं बालाजी मेडिकल इंस्टीट्यूट के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. देवेन्द्र नायक उपस्थित थे।

लाइव हिस्टेरोस्कोपी सर्जरी के संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. ज्योति जायसवाल ने बताया कि आज कई प्रकार की हिस्टेरोस्कोपी सर्जरी की गयी। बच्चेदानी के मुख के कैंसर की इलाज करवा रही एक महिला की भी हिस्टेरोस्कोपी सर्जरी की गई जिसमें उसके गर्भाशय से टेनिस बाल के आकार का एकदम कठोर ट्यूमर (गोला) निकाला गया। यह सर्जरी बहुत जटिल थी क्योंकि महिला पहले से ही रेडिएशन थेरेपी ले चुकी थी। उसके बाद 30 एवं 37 वर्षीय दो महिलाओं के गर्भाशय के फाइब्राइड एवं पॉलिप की सर्जरी की गई। ये दोनों महिलाएं फाइब्राइड के कारण कम उम्र में ही गर्भधारण करने में असमर्थ थीं।

वर्कशॉप में शामिल स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आभा डहरवाल, डॉ. रूचि किशोर गुप्ता, डॉ. अंजुम, डॉ. सुमा ने बताया कि हिस्टेरोस्कोपी एक न्यूनतम इनवेसिव चिकित्सा प्रक्रिया है जिसमें प्रकाश और कैमरे से सुसज्जित हिस्टेरोस्कोप नामक एक पतले उपकरण का उपयोग करके, डॉक्टर गर्भाशय की परत को देख सकते हैं और बीमारी की जांच एवं पहचान कर सकते हैं। यह प्रक्रिया आमतौर पर असामान्य रक्तस्राव, बांझपन या गर्भाशय संबंधी अन्य समस्याओं की जांच एवं उपचार में अपनाई जाती है। इसे योनि के माध्यम से गर्भाशय ग्रीवा में सावधानीपूर्वक डालकर गर्भाशय तक पहुंचा जाता है। अंदर पहुंचकर हिस्टेरोस्कोप में लगा कैमरा गर्भाशय के अंदर की लाइव इमेज एवं वीडियो ऑपरेशन थियेटर में लगे मॉनिटर पर भेजता है।

प्रत्याशी की गाड़ी में 50 हजार से ज्याद मिले तो जब्त होगी रकमः कलेक्टर सर्वेश्वर भुरे

रायपुर (ए)। विधानसभा चुनाव के लिए आचार संहिता के लागू होने के बाद राजनैतिक दल, प्रत्याशी या उनसे संबंधित धन राशि के लेन देन पर निर्वाचन आयोग द्वारा नजर रखी जाएगी। प्रत्याशी या उनके एजेंट या पार्टी वर्कर के वाहन में चेकिंग के दौरान 50 हजार रुपए से अधिक की धन राशि प्राप्त होने पर उसे जप्त किया जाएगा। इसी प्रकार चेकिंग के दौरान प्रत्याशी, उनके एजेन्ट या पार्टी वर्कर के वाहन में 10 हजार रुपए से अधिक की चुनाव प्रचार समाग्री, पोस्टर, दवाईयां, शराब, हथियार या किसी अन्य प्रकार के उपहार मिलने पर उन्हें भी जप्त कर लिया जाएगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे ने शुक्रवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विधानसभा निर्वाचन संबंधी अबतक की तैयारियों की समीक्षा की। कलेक्टर ने सातों विधानसभा के रिटर्निंग ऑफिसरों और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की और विस्तृत जानकारी लेकर जरूरी निर्देश दिए।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रत्याशियों और राजनैतिक दलों की चुनावी खर्च पर पैनी निगाह रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राजनैतिक दलों के स्टार प्रचारक अपने व्यक्तिगत उपयोग के लिए या दल के कार्यक्रम के लिए 1 लाख रुपये तक नगद रख सकेंगे, परंतु इसके लिए उन्हे पार्टी के कोषाध्यक्ष से लिखित प्रमाण पत्र साथ रखना होगा। चेकिंग के दौरान बिना प्रमाण-पत्र के पाई गई राशि भी जप्त की जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. भुरे ने विधानसभा चुनाव के दौरान बैंको से होने वाले संदेहास्पद ट्रांजेक्शन की मॉनिटरिंग कर जानकारी भी लेने को कहा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैंकों को संदेहास्पद लेन-देन की दैनिक रिपोर्ट जमा करने निर्देशित किया है। उन्होंने कहा है कि निर्वाचन के दौरान यदि किसी बैंक अकाउंट में संदेहास्पद गतिविधि होती है तो उसकी जानकारी निर्वाचन व्यय शाखा और कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए।

नवरात्र में डोंगरगढ़ स्टेशन पर रुकेंगी लंबी दूरी की ट्रेनें

रायपुर (ए)। नवरात्र में छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में स्थित मां बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए प्रदेश सहित पूरे देश से बड़ी संख्या में भक्त आते हैं। अगर आप भी नवरात्र में मां बम्लेश्वरी के दर्शन की तैयारी कर रहे हैं तो यह खबर आपके लिए है।

दरअसल, नवरात्र पर लंबी दूरी की ट्रेनें और पैसेंजर डोंगरगढ़ स्टेशन पर रुकेंगी। रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अन्य कई घोषणाएं करते हुए रद की गई अनेक ट्रेनों को फिर से शुरू करने की घोषणा की है। इससे माता के दर्शन करने जाने वालों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। रेलवे प्रशासन ने अक्टूबर और नवंबर की कई तारीखों पर जिन ट्रेनों को रद कर था, उनमें से कई ट्रेनों को चलाने की घोषणा की है। जिन रद ट्रेनों को चलाया जाएगा, उनमें मुख्य हावड़ा-मुंबई रूट की एक्सप्रेस ट्रेनें शामिल हैं। खासतौर पर जोधपुर रेलवे और झारसुगुड़ा में ब्लाक की वजह से रद की गई और परिवर्तित मार्ग से चलने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों को रि-स्टोर किया गया है।

नई टाइम टेबल एक अक्टूबर से लागू

यही नहीं, हर वर्ष की तरह रेलवे ने नई टाइम टेबल जारी करने की प्रक्रिया भी पूरी कर एक अक्टूबर से इसे लागू कर दिया है। इसके अनुसार अलग-अलग स्टेशनों में ट्रेनों के आने-जाने के समय में आंशिक बदलाव किया गया है। स्टेशन स्तर पर ट्रेनों के पांच से 10 मिनट फास्ट होने का दावा नए टाइम टेबल में किया जा रहा है।

रायपुर की नूपुर चंद्राकर की बालीवुड में एंट्री, फिल्म 'गुठली लड्डू' में निभाई सहायक निर्देशक की भूमिका

रायपुर (ए)। हिंदी बालीवुड फिल्म 'गुठली लड्डू' सिनेमाघरों में शुक्रवार को रिलीज हुई। फिल्म में एक वर्ग की समस्याओं को दर्शाया गया कि किस प्रकार से उन्हें मुलभूत सुविधाओं और संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा जाता है। फिल्म में प्रसिद्ध अभिनेता संजय मिश्रा ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का जुड़ाव रायपुर से भी है।

शंकर नगर निवासी नुपूर चंद्राकर ने निर्देशक इशरत आर खान के साथ फिल्म में सहायक निर्देशक की भूमिका निभाई है। रायपुर में फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान वे सिटी माल 36 पहुंचीं थीं। इस दौरान नूपुर ने बताया कि सहायक निर्देशक के रूप में 'गुठली लड्डू' उनकी छठवीं फिल्म है। इससे पहले वे कलंक, प्रस्थानम जैसी सुपरहिट फिल्मों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी हैं।

एसडी, संजय दत्त प्रोडक्शन और ग्रीन ऐपल प्रोडक्शन में कर चुकी हैं काम

नुपूर चंद्राकर ने बताया कि रायपुर में एमबीए करने के बाद मैं 2008 में बिजनेस करने मुंबई चली गई। लेकिन मुंबई जैसे मेट्रो सिटी में व्यापार स्थापित करने आसान नहीं था। पिता टुकेश्वर प्रसाद चंद्रकार बिजनेसमैन है तो मुझे भी उस क्षेत्र में आकर्षण रहा। लेकिन मुझे फिल्म उद्योग में रुचि थी तो मैने मैंने फिल्मों की तरफरुख किया। शुरू में कई सारे शार्ट फिल्म में सहायक निर्देशक की भूमिका निभाई। इसके बाद संजय दत्त प्रोडक्शन में बनी फिल्म कलंक में काम करने का असवर मिला। कुल छह बड़ी बालीवुड फिल्मों काम किया जिसमें से फिल्म स्काटलैंड आस्कर पुरस्कार के लिए नामित हुई थी।

फिल्म 'गुठली लड्डू' की कहानी को लेकर नुपूर चंद्रकार ने कहा कि फिल्म सामाजिक भेदभाव के बीच शिक्षा के लिए संघर्ष कर रहे एक दलित बच्चे के संघर्ष को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी कुछ लोगों का शोषण किया जा रहा है, अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है और अपमानित किया जा रहा है। जो बिल्कुल ही निंदनीय है। संविधान ने सभी को समान अधिकार दिए है, सभी को जीने और शिक्षा का अधिकार है।

छत्तीगढ़ में दो बड़े बालीवुड फिल्म में बतौर निर्माता काम करेंगी नूपुर

नुपूर चंद्रकार ने बताया कि निर्देशन के बाद अब वे फिल्म निर्माता के रूप में भी काम करने वाली हैं। बालीवुड के दो फिल्मों में वह निर्माता के रूप में काम करने वाली है। खास बात यह है कि फिल्मों की ज्यादातर शूटिंग छत्तीसगढ़ में ही होगी। जिसमें मुख्य भूमिका में हिंदी फिल्मों के बड़े चेहरे नजर आएंगे। साथ ही प्रदेश के कालाकारों को भी अवसर दिया जाएगा।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-

9303289950, 9827806026, 8962815243

सीने में अचानक होने वाले दर्द से चाहिए छुटकारा तो अपनाएं यह तरीका, तुरंत मिलेगा आराम

आजकल हार्ट अटैक, हार्ट स्ट्रोक आम बात हो गई। आजकल के युवा इसका शिकार हो रहे हैं। खराब लाइफस्टाइल और खानपान ने हमारी जिंदगी को इस तरह से प्रभावित किया है कि किसी भी स्वस्थ्य व्यक्ति को भी सीने में तेज दर्द की शिकायत हो सकती है। सीने में अचानक से होने वाले दर्द खतरनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी हो सकते हैं। इस तरह के दर्द बैचेनी पैदा कर सकते हैं। सीने में दर्द होने के कारण सांस लेने में तकलीफ, पसीना आना, चक्कर आना भी हो सकता है। आज हम इस आर्टिकल के जरिए आपको कुछ ऐसे खास उपाय बताएंगे जिसके जरिए आप सीने में अचानक होने वाले दर्द से छुटकारा पाने के लिए यह उपाय अपनाएंगे तो आपको तुरंत राहत मिलेगी। लेकिन अगर किसी गंभीर स्थिति में आपको दर्द की शिकायत हो रही है तो आपको बिना समय गवाएं डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

इस प्रकार के सीने में दर्द अचानक से कई कारणों की वजह से हो सकते हैं। जैसे- आओरेटिक में गड़बड़ी के कारण, पेरिकार्डिटिस साथ ही इसमें फेफड़ा शामिल है। सीने में अचानक होने वाले दर्द किसी दवा, सर्जरी के कारण भी हो सकता है। ये अचानक मौतें सीने में दर्द शुरू होने के कुछ ही मिनटों के भीतर हो जाती हैं, लेकिन ज्यादातर मरीजों में हमें कुछ समय के लिए छुट्टी मिल जाती है। बहुमूल्य घंटे, जब किसी जीवन को संभावित रूप से बचाया जा सकता है। बशर्ते सभी सही कदम उठाए जाएं।

अचानक सीने में दर्द होने पर क्या करें?

एक बार में 325 मिलीग्राम डिस्प्रिन (घुलनशील एस्पिरिन) और क्लोपिडोग्रेल की 4 गोलियाँ लें। ये एक केमिस्ट के पास उपलब्ध हैं, और दिल का दौरा पड़ने के जोखिम वाले प्रत्येक व्यक्ति को ये दवाएं अपने साथ रखनी चाहिए। आम धारणा के विपरीत, पूर्ण विकसित दिल के दौरे में सोर्बिट्रेट का कोई उपयोग नहीं होता है, और संभावित रूप से बीपी में गंभीर गिरावट हो सकती है। इसलिए सीने में तेज दर्द होने पर इससे बचना बेहतर है। जितनी जल्दी हो सके एम्बुलेंस को कॉल करें। ईसीजी करा लें। ईसीजी या तो सामान्य होगा, एसटी उन्नयन एमआई दिखाएगा, या उच्च जोखिम अस्थिर एनजाइना दिखाएगा। आपातकालीन कक्ष में रहते हुए, कार्डिएक ट्रोपोनिन आई, डी डिमर और एनटी प्रो बीएनपी के लिए रक्त निकाला जाएगा। ये सीने में दर्द का कारण बताएंगे।

किसी इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट को बुलाएं। यदि पूर्ण विकसित दिल का दौरा (एसटी एलिवेशन एमआई) है, तो हृदय रोग विशेषज्ञ तत्काल एंजियोप्लास्टी का सुझाव देंगे। संकोच न करें। तुरंत एंजियोप्लास्टी करने की सहमति दें। दिल का दौरा पड़ने पर तत्काल एंजियोप्लास्टी (जिसे प्राथमिक एंजियोप्लास्टी भी कहा जाता है) जीवन बचाने का सबसे सुरक्षित और सुरक्षित तरीका है।

इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि हममें से बहुत से लोग महसूस करते हैं कि हृदय घायल है और किसी भी प्रक्रिया को करने से पहले उसे आराम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह सच नहीं है। सबसे अधिक लाभ तुरंत एंजियोप्लास्टी कराने से मिलता है। जो हृदय की बहुत सारी मांसपेशियों को मरने से रोकेगा और हृदय के पंपिंग कार्य को सुरक्षित रखेगा। जो दिल के दौरे के बाद दीर्घकालिक अस्तित्व के सबसे अच्छे भविष्यवक्ताओं में से एक है।

अमायरा दस्तूर ने नई पंजाबी फिल्म ऐनी हाओ मिट्टी पाओ से की पॉलीवुड में एंट्री

अभिनेत्री अमायरा दस्तूर पेशेवर मोर्चे पर बुलंदियों पर हैं, हाल ही में उनकी वेब सीरीज बॉम्बे मेरी जान के साथ-साथ पंजाबी फिल्म ऐनी हाओ मिट्टी पाओ को काफी सराहना मिली है। अपनी पहली पंजाबी फिल्म ऐनी हाओ मिट्टी पाओ की रिलीज के साथ, अभिनेत्री को प्रशंसकों के साथ-साथ दोस्तों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। दर्शक कह रहे हैं कि अमायरा इस फिल्म में बिल्कुल पंजाबी लड़की लग रही हैं।

उनके अभिनय और जिस तरह से उन्होंने फिल्म में खुद को पेश किया है, उसकी सराहना करते हुए प्रशंसकों ने अमायरा का पंजाबी फिल्मों में खुले दिल से स्वागत किया है। ऐनी हाओ मिट्टी पाओ तक, हमने अमायरा का पंजाबी अवतार देखा था, जबकि उन्होंने जोगी में दिलजीत दोसांझ के साथ अभिनय किया था। ऐनी हाओ मिट्टी पाओ को हंसी की सवारी के रूप में देखा जा रहा है और दर्शकों से इसे मिल रही अद्भुत प्रतिक्रिया इंडस्ट्री में अमायरा की मजबूत पकड़ स्थापित कर रही है।

ऐसा कहने के बाद, अमायरा पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में एक ताकत बनने जा रही है। ऐनी हाओ मिट्टी पाओ के बाद उनकी दो और पंजाबी फिल्में कतार में हैं, चिड़ियाँ दा चंबा 13 अक्टूबर को रिलीज हुई, और फुर्तीला नामक एक और फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में आएगी। खैर, यह नई पंजाबी लड़की निश्चित रूप से अपनी कलात्मकता से दिल जीत रही है, और ऐनी हाओ मिट्टी पाओ की सफलता तो बस शुरुआत है।

शाम को 5-7 बजे के बीच में कर लें ये काम, फिर देखिए वजन कैसे गिरता है

आजकल मोटापा एक आम समस्या बनता जा रहा है। अनियमित भोजन और व्यायाम की कमी के कारण लोगों का वजन बढ़ने लगा है। वजन कम करने के लिए लोग तरह-तरह के उपाय अपनाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि बस अपनी डेली के रूटीन में थोड़ा सा बदलाव करके भी आप अपना वजन कम कर सकते हैं? वो भी बिना किसी खास कड़ी डाइटिंग या भारी व्यायाम के। आइए जानते हैं कि शाम को 5-7 बजे के बीच में अगर आप यह दो काम करते हैं तो तेजी से घट सकता है।

5 से 7 बजे डिनर करें

वजन कम के लिए रात का खाना सही समय पर खाना बहुत जरूरी होता है। शाम के 5 से 7 बजे के बीच डिनर कर लेना चाहिए। इससे वजन कम करने में मदद मिलती है। डिनर इस समय करने के कई फायदे मिलते हैं। रात में जल्दी भोजन करने से शरीर को भोजन से पूरा लाभ उठाने में मदद मिलती है। इससे भोजन पचाने की प्रक्रिया यानी मेटाबोलिज्म बढ़ जाता है। जिससे की भोजन का पूरा पोषण शरीर को मिल पाता है और ऊर्जा भी अच्छी प्राप्त होती है। साथ ही यह अतिरिक्त कैलोरी को भी जलाने में मदद करता है जोकि वजन कम करने में बहुत फायदेमंद है।

वजन कम करने में करता है मदद

बहुत देर से रात में खाना खाने के बाद सो जाने से पाचन तंत्र को भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। इससे भोजन सही ढंग से पच नहीं पाता और पेट संबंधी समस्याएं जैसे पेट दर्द, अपच, गैस और पेट फूलना हो सकता है। अगर शाम में ही जल्दी खा लिया जाए, तो खाने के बाद काफी समय बचता है, जिसमें पाचन तंत्र खाने का अच्छे से पाचन कर पाता है। इसलिए शाम में जल्दी खाना खा लेना पाचन और पेट संबंधी स्वास्थ्य के लिए बेहतर होता है। और इससे वजन भी तेजी से कम होगा।

5 से 7 के बीच करें एक्सरसाइज

शाम को वर्कआउट करने के कई अपने फायदे होते हैं, जो लोग दिन में काम करते हैं उनके लिए शाम का वर्कआउट करने का फायदा होता है। रात में वर्कआउट करने के कई फायदे होते हैं। इवनिंग के समय वर्कआउट करने से शरीर को ठंडक भी मिलती है और थकान होने की वजह से नींद भी अच्छी आती है। इस समय आपको वर्कआउट करने के लिए वार्म-अप की जरूरत नहीं होती, क्योंकि शरीर पहले से ही मूवमेंट में आने की वजह से एक्टिव रहता है।

फिल्म 12वीं फेल का पहला गाना बोलो ना जारी, श्रेया घोषाल और शान ने दी आवाज

बॉलीवुड अभिनेता विक्रांत मैसी पिछले कुछ वक्त से अपनी आगामी फिल्म 12वीं फेल को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म इसलिए भी ज्यादा खास है, क्योंकि इसका निर्देशन विधु विनोद चोपड़ा कर रहे हैं, जो मुन्ना भाई और 3 इडियट्स जैसी शानदार फिल्में बना चुके हैं।अब निर्माताओं ने 13 अक्टूबर (शुक्रवार) को 12वीं फेल का पहला गाना बोलो ना जारी कर दिया है, जिसमें विक्रांत अभिनेत्री मेधा शंकर के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। बोलो ना के बोल स्वानंद किरकिरे ने लिखे हैं तो वहीं इस गाने को श्रेया घोषाल और शान ने मिलकर गाया है। 12वीं फेल 27 अक्टूबर को हिंदी समेत तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।यह फिल्म अनुराग पाठक के इसी नाम से आए लोकप्रिय उपन्यास पर आधारित है। सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह उपन्यास आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा की कहानी बताता है। इसकी ज्यादातर शूटिंग दिल्ली के मुखर्जी नगर में हुई है।

रिया कपूर ने वीरे दी वेडिंग के सीक्वल पर लगाई मुहर, जल्द शुरू होगी शूटिंग

2018 में आई फिल्म वीरे दी वेडिंग को दर्शकों द्वारा काफी सराहा गया था। इसमें करीना कपूर, सोनम कपूर, स्वरा भास्कर और शिखा तलसानिया नजर आई थीं। दर्शक पिछले काफी वक्त से वीरे दी वेडिंग के सीक्वल की मांग कर रहे हैं। अब आखिरकार रिया कपूर ने वीरे दी वेडिगं के दूसरे भाग पर मुहर लगा दी है। उन्होंने बताया कि फिल्म की दूसरी किस्त पर काम शुरू हो चुका है। फिलहाल स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। रिया ने कहा, हां, वीरे दी वेडिंग बन रही है। फिलहाल, फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। वीरे दी वेडिंग की दूसरी किस्त की कहानी बहुत अलग होगी। मुझे पता है कि यह थोड़ा मुश्किल है क्योंकि यह फिल्म मेरे लिए सब कुछ है। उन्होंने आगे कहा, मैं वीरे दी वेडिंग की कहानी से बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण फिल्म है और मैं इससे बहुत जुड़ी हुई हैं।

बॉडीकॉन ड्रेस पहन मौनी रॉय ने दिखाई दिलकश अदाएं

ब्रह्मास्त्र फेम मौनी रॉय का नाम बी-टाउन की हॉट एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो लोगों की उनके किलर लुक्स पर से नजरें हट पाना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में अभिनेत्री मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका सेक्सी अवतार देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं।

अपने लुक्स और बोल्ड पर्सनेलिटी को लेकर अक्सर लाइमलाइट बटौरने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपने लुक से इंटरनेट पर बवाल मचा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में मौनी रॉय कमर पर हाथ रखकर बेहद ही सेक्सी अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। मौनी रॉय ने अपनी इन फोटोज में एनिमल प्रिंट आउटफिट पहना हुआ है, साथ ही कैमरे के सामने किलर लुक्स देती हुई दिखाई दे रही हैं। ओपन हेयर और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर अपलोड करती हैं तो फैंस उनकी हर एक लुक पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज पर भी 1 लाख से ज्यादा यूजर्स के लाइक्स मिल चुके हैं। साथ ही कुछ यूजर्स कॉमेंट्स भी कर रहे हैं। मौनी रॉय सोशल मीडिया सेंसेशन हैं। एक्ट्रेस वेस्टर्न और एथनिक लुक में बेहद ही खूबसूरत लगती हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135, NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

आम नागरिकों के लिए सी-विजिल एप्प होगा अमोघ अस्त्र

डराने, धमकाने से लेकर प्रलोभन देने तक की सूचनाएं सीधे की जा सकेंगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा निर्वाचन 2023 में उन्नत तकनीक का उपयोग करते हुए आम नागरिक भी सी-विजिल फोन एप्प के माध्यम से डराने, धमकाने या प्रलोभन देने की शिकायतें सीधे भारत निर्वाचन आयोग को कर सकेंगे। इस बार साफ-सुथरे, निर्विवाद और पारदर्शी चुनाव के लिए सी-विजिल एप्प आम नागरिकों के मोबाईल फोन पर अमोघ अस्त्र के रूप में इंस्टाल रहेगा। निर्वाचन आयोग द्वारा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन या किसी राजनैतिक दल और प्रत्याशी द्वारा मतदाताओं को डराने, धमकाने या पैसा, शराब, सामग्री बांटकर अपने पक्ष में मतदान के लिए मजबूर करने की शिकायतें करने के लिए सी-विजिल मोबाइल एप्प का निर्माण कराया गया है।

एप्प को बिना किसी परेशानी के संचालित होने के लिए सक्रिय इंटरनेट कनेक्शन की आवश्यकता होगी। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के लिए चुनाव अधिसूचना जारी होने के साथ ही यह एप्प मतदाताओं के लिए एक्टिवेट हो गया है । लोग इसे गुगल एप्प स्टोर से नि:शुल्क डाउनलोड कर सकेंगे। मोबाइल में डाउनलोड करने के बाद मोबाइल नंबर डालकर स्वयं पंजीकृत होना पड़ेगा।

विधानसभा निर्वाचन को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के लिए आम नागरिकों को 24 घंटे निगरानी की सुविधा देने वाले इस एप्प से लोग घटनाओं के फोटो या वीडियो लेकर सीधे अपलोड कर सकेंगे। इस एप्प के माध्यम से लिए गये फोटो या वीडियो मोबाइल फोन में सेव नहीं होंगे बल्कि सीधे निर्वाचन आयोग कार्यालय या जिला नियंत्रण कक्ष को प्राप्त होंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा इस प्रकार फोटो या वीडियो के रूप में मिली शिकायत पर 100 मिनिट की समय सीमा में कार्यवाही करेगा। एप्प के माध्यम से अधिकतम पांच मिनट के वीडियो बनाकर अपलोड किए जा सकेंगे। जीपीएस प्रणाली पर आधारित यह मोबाइल एप्प रजिस्ट्रेशन किए जाने वाले विधानसभा क्षेत्र में ही काम करेगा।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सर्वेश्वर भुरे ने बताया है कि मतदाताओं को डराने, धमकाने, प्रलोभन देने की शिकायत एवं सूचनाएं सी-विजिल एप्प के अलावा जिला नियंत्रण कक्ष के फोन नंबर 0771-2445785 के साथ-साथ टोल फ्री नंबर 0771-1950 पर भी की जा सकती है। उन्होंने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ख के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी व्यक्ति को उसके निर्वाचक अधिकार का प्रयोग करने उत्प्रेरित करने के उद्देश्य से नकद या वस्तु स्वरूप कोई पारितोष देता है या लेता है, तो वह एक वर्ष तक के कारावास या जुर्माने अथवा दोनों सजा से दंडनीय होगा।

इसके अतिरिक्त भारतीय दंड संहिता की धारा 171 ग के अनुसार जो कोई व्यक्ति किसी अभ्यर्थी या निर्वाचक अथवा किसी अन्य व्यक्ति को किसी प्रकार की चोट पहुंचाने की धमकी देता है। वह एक वर्ष के कारावास या जुर्माने अथवा दोनों सजा का भागीदार होगा। निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान रिश्वत देने और लेने वाले दोनों के विरूद्ध मामले शिकायत या सूचना भारत निर्वाचन आयोग के सी-विजिल एप्प में भी किया जा सकता है।

जैन भवन में नृत्य और संगीत की राष्ट्रीय स्पर्धा शुरू पहले दिन कलाकारों ने प्रस्तुत किया भरतनाट्यम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जैन भवन, सेक्टर-6 में जैन मिलन जैन कला केंद्र के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर पर गायन, वादन, भरत नाट्यम, कत्थक, तबला शास्त्री गायन, सितार वादन आदि की प्रतियोगिता 13 से 15 अक्टूबर तक तक कराई जा रही है।

शुक्रवार को इसकी शुरुआत जैन भवन में भगवान महावीर स्वामी और मां सरस्वती की पूजा के साथ की गई। आयोजन में छत्तीसगढ़ समेत विभिन्न राज्यों के प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। मुख्य अतिथि जैन ट्रस्ट के प्रकाश गोलछा, जैन मिलन के अध्यक्ष मुकेश जैन, प्रदीप बाकलीवाल जैन कला केंद्र के अध्यक्ष ऋषभ जैन, विनोद जैन, कीर्ति व्यास आदि ने उद्घाटन किया। तीन दिवसीय के आयोजन में रविवार शाम 6.30 बजे से खैरागढ़ संगीत विवि की कुलपति डॉ. ममताचंद्राकर द्वारा पारितोषिक वितरण किया जाएगा। अध्यक्ष मुकेश जैन ने उपस्थिति की अपील की है। सेक्टर-6 के जैन भवन सभागार में प्रस्तुति देतीं कलाकार।

खास खबर

शिवाजी नगर में रहेगी गरबा की धूम

कोरबा। कोरबा शहर में नवरात्रि और दशहरा की धुम घंटाघर और निहारिका क्षेत्र में रहती है। इस बार इन क्षेत्र के आयोजन स्थलों में पहले से ज्यादा तैयारी की गई है। जिसमें शिवाजी नगर गरबा डांडिया एवं दशहरा उत्सव समिति ने यहां होने वाले नवरात्र और दशहरा उत्सव को लेकर विशेष तैयारियां शुरू कर दी है। समिति के अध्यक्ष वैभव शर्मा ने बताया कि उनके उत्सव का यह 29वां वर्ष है और इस वर्ष भक्तों को यहां होने वाले उत्सव का अलग नजारा देखने को मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि शिवाजी नगर में होने वाली डांडिया संपूर्ण गुजराती परंपरा के अनुसार होती हैं और इस वर्ष सुरक्षा के लिहाज से मैदान में इंडोर पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। यहां आकर्षक विद्युत लाइटें अनायास ही भक्तों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेंगी। यहां लाइटिंग के दौरान वर्षा की झलक भक्तों को देखने मिलेगी। वार्ड पार्षद अनुज जायसवाल ने बताया कि शिवाजी नगर डांडिया मैदान में शारदीय नवरात्र के दौरान 9 दिन तक मातारानी की ज्योत प्रज्ज्वलित होती है, जिसका अपना ही अलग महत्व है। इस बार यहां डांडिया करने वाले महिलाओं और युवतियों ने गरबा के लिए इस वर्ष गुजरात से स्पेशल परिधान तो पुरुषों ने भी विशेष वस्त्र मंगाया।

शासकीय विश्रामगृहों में राजनैतिक उद्देश्यों से नहीं ठहर पायेंगे मंत्री

रायपुर । विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए कार्यक्रम जारी होने के साथ ही प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। आदर्श आचार संहिता लागू रहने की अवधि में किसी भी राजनैतिक दल के प्रतिनिधि, मंत्रीगणों, सार्वजनिक उपक्रमों के पदाधिकारियों आदि को शासकीय अथवा अर्द्धशासकीय विश्रामगृहों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस में चुनाव प्रचार-प्रसार या राजनैतिक उद्देश्य से नहीं ठहराया जायेगा। ऐसे राजनैतिक व्यक्ति इन स्थानों का उपयोग राजनैतिक गतिविधियों के लिए भी नहीं कर सकेंगे। इस बारे मे कलेक्टर और जिला दण्डाधिकारी डॉ सर्वेश्वर भुरे ने जरूरी आदेश भी जारी कर दिया है। जारी किए गए आदेश के अनुसार शासकीय प्रयोजनों के लिए मंत्रीगणों के दौरों के दौरान पात्रता अनुसार स्थान उपलब्ध होने पर उन्हें विश्राम भवनों, सर्किट हाउस, गेस्ट हाउस में कमरा उपलब्ध कराया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त पात्रतानुसार ठहरने वाले व्यक्ति से निर्धारित राशि जमा कराकर विधिवत रसीद भी दी जायेगी। विश्राम गृहों में एक रजिस्टर रखा जाएगा जिसमें आगंतुक का नाम, पता, ठहरने का प्रयोजन, ली गई राशि आदि समस्त ब्यौरा अंकित किया जाएगा। एक व्यक्ति को अधिकतम 48 घंटे के लिए ही विश्राम गृह मे कक्ष आरक्षित किया जा सकेगा। उससे अधिक अवधि के लिए कोई कक्ष आरक्षित नही होगा। कक्ष आरक्षित होने पर आगंतुक केवल तीन वाहन ही ला सकेगा। विश्राम गृह मे संबंधित व्यक्ति को तीन से अधिक वाहन लाने की अनुमति नही होगी। शासकीय भवनों, विश्राम भवनों तथा गेस्ट हाउसों का आरक्षण अनुविभाग स्तर पर अनुविभागीय राजस्व अधिकारी और अन्य स्थानों पर तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी द्वारा किया जायेगा।

पहाड़ी कोरवाओं ने चुनाव के बहिष्कार का किया ऐलान

बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कर रहे विरोध

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा । राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पहाड़ी कोरवाओं को सुविधा मुहैया कराने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन तमाम दावे हवा-हवाई हैं। यह बात बीहड़ इलाके में रहने वाले पहाड़ी कोरवाओं के चुनाव बहिष्कार के फैसले ने साबित कर दिया है। सड़क, बिजली, पानी और मोबाइल कनेक्टिविटी जैसी मूलभूत सुविधा की मांग को लेकर सरकारी दफ्तर व जनप्रतिनिधियों का चक्कर काट थक चुके पहाड़ी कोरवाओं ने विधानसभा चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का एलान कर दिया है। उन्होंने गांव के सरहद पर चुनाव बहिष्कार का बैनर पोस्टर लगाया है, ताकि प्रचार के लिए पहुंचे प्रत्याशी भीतर प्रवेश न करें।

कोरबा जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र में ग्राम पंचायत केरा कछार के आश्रित ग्राम सरडीह, बगधरी डांढ़ के अलावा खुर्रीभौना सहित आधे दर्जन गांव ऐसे हैं, जहां पहाड़ी कोरवा जनजाति परिवार निवास करते हैं। वे खेती किसानी के अलावा वनोपज संग्रहण कर जीविकोपार्जन करते हैं। इन गांवों में रहने वाले परिवारों को अभी भी पानी बिजली और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की दरकार है। पहाड़ी कोरवा व कुछ अन्य जनजाति के परिवार ढोढ़ी पानी का उपयोग करते हैं। उन्हें ऊर्जाधानी के रहवासी तो कहा जाता है, लेकिन बिजली नसीब नहीं है। उनके लिए सबसे बड़ी समस्या सड़क

की है। वे सर्दी, गर्मी और बारिश के दिनों में भी पगडंडियों से होकर मुख्य मार्ग तक पहुंचते हैं।

बगधरी डांड में रहने वाले बंधन सिंह पहाड़ी कोरवा का कहना है कि उनके गांव में पानी व बिजली की कमी है। उन्हें अंधेरे में रात गुजारनी पड़ती है, जिससे वन्य प्राणियों के अलावा जहरीले जीव जंतुओं का खतरा बना रहता है। गांव में रहने वाले दुरुग सिंह का कहना है कि गांव में पानी बिजली व सड़क की समस्या लंबे अरसे से बनी हुई है। इसके बावजूद न तो प्रशासन और ना ही जनप्रतिनिधि ध्यान नहीं दे रहे। इसी तरह अन्य ग्रामीण भी मूलभूत समस्या से जूझने की बात कह रहे हैं। कुमुदिनी मिंज ने तो मोबाइल कनेक्टिविटी को लेकर होने वाली समस्या भी गिनाई। उनका कहना है कि गांव तक बेहतर सड़क की कमी तो है ही, मोबाइल कनेक्टिविटी भी नहीं है। कई बार गर्भवती महिला, मरीज अथवा कोई अन्य घटना घटित होने पर घायल को अस्पताल ले जाने टोल फ्री नंबरों में संपर्क किया जाता है। इसके लिए उन्हें पहाड़ी के ऊपर या फिर पेड़ पर चढ़ना पड़ता है। कई बार मुख्य मार्ग में पहुंचने के बाद संपर्क होता है।

युवाओं को कौशल विकास अंतर्गत जैविक खेती पर छः दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। कृषि विज्ञान केन्द्र, दन्तेवाड़ा में ग्रामीण युवाओं का जैविक खेती विषय पर कौशल विकास हेतु छः दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 06 अक्टूबर 2023 से 12 अक्टूबर 2023 तक केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री डिप्रोशन बंजारा के मार्गदर्शन में किया गया। उक्त प्रशिक्षण में ग्राम जावंगा के 15 प्रशिक्षार्थियों ने सफलतापूर्वक भाग लिया। इस प्रशिक्षण में श्री डिप्रोशन बंजारा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख द्वारा जिले के वर्तमान जैविक स्थिति, जैविक खेती का परिचय जिसमें महत्व तथा फायदे के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।

उन्होंने कहा कि किसानों के घरों में उपलब्ध गाय के गोबर, गौमूत्र का उपयोग कर जैविक खेती हेतु जैविक खाद जैसे जीवामृत, जीवामृत, घनजीवामृत, गोबर खाद, कम्पोस्ट व वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण कर जैविक खेती आसानी से किया जा सकता है। साथ ही साथ उन्होने फसल सुरक्षा हेतु जैविक कीटनाशक निमास्त्र, ब्रम्हास्त्र, हांडी दवा आदि के निर्माण व उचित उपयोग करने की जानकारी दी।

इसी तारतम्य में केन्द्र के वैज्ञानिक श्री अनिल कुमार ठाकुर द्वारा प्रशिक्षार्थियों को जैविक खेती हेतु उपयुक्त मौसम अनुरूप फसलों का चयन, मौसम आधारित खेती जैसे कीटों व बीमारी हेतु अनुकूल वातावरण की स्थिति में कीट प्रकोप व फसल रोग होने से पहले जैविक दवा तैयार कर समय पर उचित उपयोग करने से होने वाले फसल नुकसान को कम करने के तरीकों से अवगत कराया गया। इसके अलावा उनके द्वारा केन्द्र से मौसम पूर्वानुमान व महत्व तथा अपने खेतों कुछ न कुछ फसल लगाने एवं खेतों खाली न छोड़ने की सलाह भी दी गई।

केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ, ए.पी. एण्ड एफई. इंजी. प्रवीण कुमार निषाद के द्वारा प्रशिक्षार्थियों को टपक सिंचाई तकनीक, कार्यक्रम सहायक (पौध रोग विज्ञान), कु. वंदना चडार एवं वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (चिराग), डॉ. अंजुलता सुमन पात्रे के द्वारा जैविक खेती अंतर्गत अपने बाडियों में सब्जी उत्पादन की तकनीक के विषय में जानकारी दी गई। साथ ही साथ प्रशिक्षार्थियों को केन्द्र पर स्थापित इकाइयों का भ्रमण भी कराया गया।

जिसमें जिले के प्रगतिशील कृषक जयलाल यादव, ग्राम हीरानार का जैविक प्रक्षेत्र भी शामिल था। इस दौरान जयलाल द्वारा प्रशिक्षार्थियों को जीवामृत बनाने की विधि व उसके उपयोग के बारे में बताते हुए कहा कि कृषक अपने फसल की वर्तमान स्थिति व जैविक खेती अपनाकर वर्ष में तीन फसल आसानी से कर लाभ कमा सकते है। उन्होने हर कृषक को जैविक खेती करने हेतु कम से कम एक गाय घर में रखने की बात कही।

प्रशिक्षण अंतर्गत प्रशिक्षार्थियों को जैविक खेती सिखाने व प्रोत्साहित करने हेतु विडियो प्रदर्शन का संचालन तथा तकनीकी सहयोग सुरेन्द्र कुमार पोडयाम (कार्यक्रम सहायक, कम्प्यूटर) एवं श्री लेखेश कुमार श्रीवास्तव (सहायक वर्ग-1) द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के अंत में ग्रामीण युवाओं को कौशल विकास अंतर्गत जैविक खेती प्रशिक्षण हेतु प्रशस्ति पत्र भी दिए गए।

अमावस्या पर अति आवश्यक है श्राद्ध करना- पंडित अतुल शास्त्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मान्यता है कि आश्विन मास के कृष्णपक्ष में यमराज सभी पितरों को अपने यहां से छोड़ देते हैं, ताकि वे अपनी संतान से श्राद्ध के निमित्त भोजन कर सकें। इस माह में श्राद्ध न करने वालों के अतृप्त पितर उन्हें श्राप देकर पितृलोक चले जाते हैं और आने वाली पीढ़ियों को भारी कष्ट उठाना पड़ता है। गरुड़ पुराण में कहा गया है कि आयु: पुत्रान यश: स्वर्ग कीर्ति पु?ष्टि बलं श्रियम्, पशून सौख्यं धनं धान्यं प्राप्नुयात् पितृजूननात अर्थात श्राद्ध कर्म करने से संतुष्ट होकर पितर मनुष्यों के लिए आयु, पुत्र, यश, मोक्ष, स्वर्ग कीर्ति,पुष्टि, बल, वैभव, पशुधन, सुख, धन व धान्य वृद्धि का आशीष प्रदान करते हैं।

नाव से नदी पार करने वालों को भी पितरों का तर्पण करना चाहिए। जो तर्पण के महत्व को जानते हैं, वे नाव में बैठने पर एकाग्रचित्त हो अवश्य ही

पितरों का जलदान करते हैं। कृष्णपक्ष में जब महीने का आधा समय बीत जाए, उस दिन अर्थात अमावस्या तिथि को श्राद्ध अवश्य करना चाहिए। पितरों की भक्ति से मनुष्य को पुष्टि, आयु, वीर्य और धन की प्राप्ति होती है। ब्रह्माजी, पुलस्त्य, वसिष्ठ, पुलह,अंगिरा, ऋतु और महर्षि कश्यप-ये सात ऋषि महान योगेश्वर और पितर माने गए हैं। मरे हुए मनुष्य अपने वंशजों द्वारा पिंडदान पाकर प्रेतत्व के कष्ट से छुटकारा पा जाते हैं।

महाभारत के अनुसार, श्राद्ध में जो तीन पिंडों का विधान है, उनमें से पहला जल में डाल देना चाहिए। दूसरा पिंड श्राद्धकर्ता की पत्नी को खिला देना चाहिए और तीसरे पिंड को अग्नि में छोड़ देना चाहिए, यही श्राद्ध का विधान है। जो इसका पालन करता है उसके पितर सदा प्रसन्नचित्त और संतुष्ट रहते हैं और उसका दिया हुआ दान अक्षय होता है।

1. पहला पिंड जो पानी के भीतर चला जाता है, वह चंद्रमा को तृप्त करता है और चंद्रमा स्वयं देवता तथा पितरों को संतुष्ट करते हैं।
2. इसी प्रकार पत्नी, गुरुजनों की आज्ञा से जो दूसरा पिंड खाती है, उससे प्रसन्न होकर पितर पुत्र की कामना वाले पुरुष को पुत्र प्रदान करते हैं।
3. तीसरा पिंड अग्नि में डाला जाता है, उससे तृप्त होकर पितर मनुष्य की संपूर्ण कामनाएं पूर्ण करते हैं।

कलेक्टर ने डोंगरगांव के स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डोमन सिंह ने विधानसभा डोंगरगांव एवं खुज्जी के लिए शासकीय डॉ. बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगांव में बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ईवीएम एवं वीवीपैट की सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम की सारी व्यवस्था को दुरूस्त किए जाने का निर्देश दिया। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में लगे कर्मी को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी परिस्थिति में बाहरी लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह से नियंत्रण रखना है। उन्होंने कहा कि यहीं से पोलिंग पार्टी को सामग्री वितरण की जायेगी तथा पार्टी रवाना की जायेगी।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

महादेव के बाद अब वुड 777 और जेम्स 777 ऑनलाइन सट्टा, राजधानी में धराए 5 सटोरिए

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में महादेव बुक की तरह पुलिस ने वुड 777 और जेम्स 777 ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट पर सट्टा खिलाने वाले व आईडी खरीदने वाले 5 सटोरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से महंगे मोबाइल फोन व नगदी रकम बरामद की गई है। सटारियों के कब्जे से जब्त सामान की कीमत लगभग दो लाख रुपए है। यह मामला गुढ़ियारी थाने क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार भारत माता चौक पास एक व्यक्ति द्वारा ऑनलाइन सट्टा आईडी लेकर मोबाइल से सट्टा खिलाए जाने की सूचना गुढ़ियारी पुलिस की मिली। एंटी क्राइम एंड सायबर यूनिट और थाना गुढ़ियारी पुलिस ने मुखबिर के बताए जगह पर सटोरिया को सट्टा खिलाते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम पराधन साहू निवासी कबीर नगर रायपुर में होना बताया। मोबाइल को चेक करने पर उसमें ऑनलाइन सट्टा आईडी लेकर सट्टा संचालित करना पाया गया। आईडी के संबंध में पूछताछ करने पर गोगांव स्थित महामाया ट्रेडर्स के संचालक आकाश अग्रवाल से आईडी लेना बताया।

उसने यह भी बताया कि रामगोपाल जैन और रूपेश वर्मा ने भी आकाश अग्रवाल से आईडी लिया है। इसके पुलिस ने आकाश अग्रवाल, रामगोपाल जैन और रूपेश शर्मा गिरफ्तार किया। उनके मोबाइल में भी ऑनलाइन सट्टा का वुड 777 और जेम्स 777 ऑनलाइन सट्टा वेबसाइट मिला। इसी क्रम में आरोपी आकाश अग्रवाल से ऑनलाइन सट्टा आईडी के संबध में पूछताछ करने पर उसने बताया कि गुढ़ियारी निवासी आशीष वासवानी से आईडी ली थी। इसका भुगतान उसके कर्मचारी ने आकाश खटवानी नाम को करना बताया। इसके बाद पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने 5 नग मोबाइल और नगदी रकम 50 हजार रुपए जब्त किया गया है। जब्त सामान की कीमत दो लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में आरोपी आशीष वासवानी फरार है। सभी के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

खास-खबर

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ बार्डर में बनाए गए 9 चेक पोस्ट

मनेन्द्रगढ़ (ए)। विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए पुलिस कोरिया समेत एमसीबी जिले की सभी अंतरराज्यीय और अंतर जिला सीमाओं में निगरानी रखे हुए है। पुलिस की कई टीमें सीमाओं पर चेक पोस्ट बनाकर आने जाने वाली गाड़ियों की चेकिंग कर रही है। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए तीन शिफ्ट में अधिकारियों और कर्मचारियों को तैनात किया गया है। वहीं अब सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी भी की जा रही है। विधानसभा चुनाव के लिए जिले की सीमाओं पर चौकसी बढ़ा दी गई है। एमसीबी जिला में वाहनों पर कड़ी निगरानी के लिए 19 चेक पोस्ट बनाए गए हैं। मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ बार्डर में कुल 9 चेक पोस्ट लगाए गए हैं। जिनमें 27 अधिकारी कर्मचारी तैनात हैं। इसके अलावा फ्लाइंग स्क्वायड की टीम भी एक्टिव मोड में है। इन सभी चेक पोस्ट पर सीमा से गुजरने वाले वाहनों की जांच की जाएगी। ताकि लोग बड़ी रकम और नशीला पदार्थ जैसे शराब, गांजा के अलावा नकद न ले जा सकें। जब्त किये गए सामान और राशि के संबंध में बिल या फिर सबूत पेश करने पर ही रकम लौटाए जाएंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर नरेंद्र दुग्गा ने बताया, 50 हजार रुपए नकद आम लोग अपने साथ रख कर आना-जाना कर सकते हैं।

गांजा के साथ दो महिला गिरफ्तार

बलौदाबाजार (ए)। पुलिस को 2 महिलाओं के बारे में शिकायत मिली थी। जिस पर सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई है। जानकारी के मुताबिक अवैध मादक पदार्थ गांजा की बिक्री करते दोनों महिलाएं रंगे हाथों पकड़ी गई है। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम सावित्री दुबे पति स्व. ईश्वर लाल दुबे उम्र 50 वर्ष भैंसा पसरा और रजनी दुबे पति स्व. रमेश दुबे उम्र 55 वर्ष साकिन भैंसा पसरा बताए। जब्त 1300 ग्राम गांजे की कीमत 13 हजार रुपए है। बता दें कि बलौदाबाजार-भाटापारा के एसपी ने अवैध कारोबार पर सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए है। निर्देश पर संबंधित थाना प्रभारी द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

वीआईपी की सुरक्षा में तैनात जवान रिस्क लेने को रहें तैयार- आइजी बिलासपुर

बिलासपुर (ए)। वीआइपी और वीवीआइपी की सुरक्षा में लगे जवानों में अनुशासन और आत्मविश्वास जैसे गुण होना आवश्यक है। इससे विभाग की छवि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वीआइपी के पीएसओ की ड्यूटी में तैनात अधिकारी को हमेशा रिस्क लेने के लिए तैयार होना चाहिए। ये बातें आइजी अजय यादव ने सरगुजा और बिलासपुर संभाग के पुलिस जवानों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कही।

विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियों के बीच बिलासपुर और सरगुजा रेंज के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए पीएसओ प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार को प्रार्थना सभाभवन में किया गया। इसमें सरगुजा रेंज के 97 और बिलासपुर रेंज के 163 एसआई और आरक्षक मौजूद रहे।

प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित करते हुए सहायक पुलिस महानिरीक्षक एमएल कोटवानी ने कहा कि वीआइपी की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण विषय है। सुरक्षा में संलग्न सभी अधिकारियों को अपना 100 प्रतिशत देना आवश्यक है। इसमें एक प्रतिशत भी गलती की गुंजाइश नहीं होती। सुरक्षा में चूक क्षम्य नहीं है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आइजी अजय यादव ने कहा कि आगामी दिनों में वीआइपी प्रवास के दौरान जिले में उपलब्ध बल द्वारा ही सुरक्षा व्यवस्था का प्रबंधन किया जाएगा। इसलिए सभी प्रशिक्षणार्थियों को इस कार्यशाला में बताई गई बातों पर ध्यान देना चाहिए। कार्यशाला के दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों सवालों के जवाब भी दिए। कार्यशाला में वीआइपी सुरक्षा के सिद्धांत, आपातकालीन उपबंध, आमसभा, मंच, हेलीपेड, मार्ग व्यवस्था समेत अन्य सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गई। इस दौरान डीएसपी निशांत शर्मा, गुरुनारायण प्रधान, जयंत पाल, मंजुलता केरकेट्टा, सुशीला टेकाम समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

घर में धुसी अनियंत्रित हाइवा: डेढ़ घण्टे फंसी रही महिला, ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत से निकाला बाहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के झींगो- गोपालपुर मुख्य मार्ग पर शुक्रवार की दोपहर अनियंत्रित हाइवा सड़क किनारे घर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले गिट्टी लोड ट्रक ने एक ट्रैक्टर को भी टक्कर मार दी। दुर्घटना में घर के मलबे में एक महिला डेढ़ घण्टे तक फंसी रही। एक्सीवेटर के माध्यम से मलबे को हटाया गया। उसके बाद महिला को बाहर निकाला गया। महिला को गंभीर स्थिति में मेडिकल कालेज अस्पताल रिफर किया गया है। राजपुर पुलिस की सूझबूझ से महिला को निकाला जा सका।

बता दे कि हाइवा गिट्टी लेकर झींगों से गोपालपुर की ओर जा रही थी। इसी बीच करवा के जुनापारा के पास सामने की ओर से आ रही महिंद्रा ट्रैक्टर को टक्कर मारते हुए अनियंत्रित होकर संतोष उरांव के घर में जा गिरी। दुर्घटना से आधा मकान क्षतिग्रस्त हो गया वहीं संतोष उरांव की पत्नी मीना उरांव घर का कचरा फेंककर वापस आ रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त हाइवा और घर के दीवार के बीच मलबे में महिला फंसी हुई थी। स्थानीय स्तर पर बाहर निकलने का कोई उपाय नहीं सूझ रहा था ऐसे में पुलिस को सूचना दी गई।

दुर्घटना से महिला डेढ़ घंटे तक मलबे में दबी रही। राजपुर पुलिस की सूझबूझ से एक्सीवेटर के माध्यम से मलबा को हटाया गया और काफी मशक्कत के बाद महिला को बाहर निकाल कर राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करेगा स्थिति गंभीर देखते हुए राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार जारी है। इस घटना में मकान का बड़ा हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया है। बताया जा रहा है कि इन दिनों सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। इस निर्माण कार्य के लिए हाइवा से गिट्टी का परिवहन किया जा रहा था। इस मार्ग में बेतरतीब आवागमन के कारण अक्सर दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। ग्रामीणों ने निर्माण सामग्रियों के परिवहन में लगी वाहनों के व्यवस्थित संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का आग्रह किया है।

प्रेशर हार्न और बिना साइलेंसर वाले वाहनों के शोर पर हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

बिलासपुर (ए)। कानफोड़ू डीजे के बाद छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अब प्रेशर हार्न के अलावा बिना साइलेंसर वाले वाहनों से होने वाले ध्वनि प्रदूषण को लेकर सख्ती के साथ ही नाराजगी जताई है। हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर शपथ पत्र के साथ जवाब पेश करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। जाहिर है इसके पहले राज्य शासन को हाई कोर्ट के निर्देश का परिपालन करना होगा। शासन को ध्वनि प्रदूषण के रोकथाम को लेकर किए जा रहे कार्य और जारी की जाने वाली गाइड लाइन के संबंध में भी जानकारी देनी होगी। हाई कोर्ट ने डीजे के साथ वाहनों में ध्वनि प्रदूषण को रोकने सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी मांगी है।

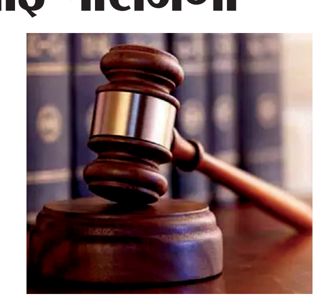

डीजे के शोर से आम लोगों को हो रही परेशानियों को लेकर हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान में लेकर जनहित याचिका के रुप में सुनवाई प्रारंभ की है। जनहित याचिका की बीते सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने मुख्य सचिव को शपथ पत्र के साथ जवाब देने के लिए कहा था। हाई कोर्ट के इस सख्त रवैए को देखते हुए राज्य सरकार ने डीजे संचालकों पर कार्रवाई करने के लिए अभियान चलाया। इसके साथ ही डीजे के रजिस्ट्रेशन की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। इधर, छत्तीसगढ़ नागरिक संघर्ष समिति ने हाई कोर्ट में हस्तक्षेप याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने ध्वनि प्रदूषण को लेकर भी हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है।

साथ ही बताया है कि ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए सरकार ने कार्रवाई करने के लिए नियम बनाए हैं, जिसका पालन नहीं हो पा रहा है। याचिका में ध्वनि प्रदूषण की विभिन्न तस्वीरें भी पेश की गई हैं, जिसमें सभी मानदंडों, नियमों और विनियमों का उल्लंघन करते हुए लाउड स्पीकर के कारण होने वाली परेशानियां शामिल हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को मारी टक्कर, 1 की मौत

सरगुजा (ए)। अंबिकापुर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के रिंग रोड नमनाकला में शुक्रवार की शाम एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 2 चचेरे भाइयों को टक्कर मार दी। इस हादसे सड़क पर गिरा एक युवक ट्रक के पहिए के नीचे आ गया। जिससे पहिए से कुचलकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका भाई बाल-बाल बच गया। सूचना पर मौके में पहुंची पुलिस ने युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ कार्रवाई की है।

बता दें कि ग्राम गहिला निवासी अविनाश एक्का 18 वर्ष अपने चचेरे भाई भाई अपील तिग्गा से मिलने ग्राम सोनबरसा आया था। शुक्रवार की दोपहर अविनाश और अपील बाइक पर सवार होकर अंबिकापुर के मठपारा निवासी अपने दो दोस्तों विनोद व मुकेश से मिलने पहुंचे थे। फिर चारों ने चौपाटी में नाश्ता किया और शाम करीब 4 बजे मठपारा लौटने लगे। एक बाइक पर अविनाश व अपील जबकि दूसरी बाइक पर विनोद व मुकेश सवार थे।

अविनाश व अपील रिंग रोड पर नमनाकला स्थित मंजूषा कम्प्यूटर के पास पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर से अविनाश सड़क पर गिरा और ट्रक के पहिए से कुचलकर उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अपील बाल-बाल बच गया।

ट्रक से कुचलकर युवक की मौत की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने युवक का शव बरामद कर पीएम के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। वहीं ट्रक जब्त कर चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। दुर्घटना के बाद सडक़ पर लोगों की भीड़ लग गई थी।

छत्तीसगढ-ओडिशा बॉर्डर पर 11 लाख कैश पकड़ाया

कार में मिले 500 रुपए के नोटों के 18 बंडल, पुलिस ने आयकर विभाग को सौंपे

जगदलपुर (ए)। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर पुलिस ने 11 लाख 22 हजार रुपए कैश बरामद किया है। कार सवार दो युवक 500 रुपए के 18 बंडल को पॉलिथीन में छिपाकर रखे हुए थे। चेकिंग के दौरान पुलिस ने जब्त किया है। इस पैसों का कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर आयकर विभाग को सौंप दिया गया है। मामला नगरनार थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, विधानसभा चुनाव से पहले धनपुंजी में चेक पोस्ट लगाकर बस्तर पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही है। 11 अक्टूबर को एक वाहन ओडिशा की तरफसे आई, जो छत्तीसगढ़ की सीमा में प्रवेश कर रही थी। गाड़ी को जवानों ने रुकवाया। जिसमें जगन्नाथ राजू और चंदमौली नाम के दो युवक सवार थे।

जब पुलिस ने तलाशी ली तो एक पॉलिथीन में 500 रुपए के कुल 18 मंडल मिले। जब गिनती की गई तो 11 लाख 22 हजार रुपए निकले। जब इन पैसों के बारे में युवकों से पूछा गया तो उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं मिले।

जिसके बाद पुलिस ने इसकी जानकारी तुरंत आयकर विभाग की टीम को दी। इन पैसों को पुलिस ने आयकर विभाग की टीम को सौंप दिया। बताया जा रहा है कि इलाके में लगातार वाहनों की चेकिंग की जा रही है। पुलिस ने 13 अक्टूबर की देर शाम मीडिया को इसकी जानकारी दी है।

इससे पहले भी की कार्रवाई

बता दें कि इसी चेक पोस्ट पर पुलिस ने दो दिन पहले 9 लाख रुपए कैश बरामद किए थे। ओडिशा के रहने वाले एक युवक के पास से इन पैसों को बरामद किया गया था। वहीं करीब 15 दिन पहले पुलिस ने यहीं पर चेकिंग के दौरान 51 लाख रुपए की शराब भी पकड़ी की थी।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
V.I.P happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

खास - खबर

एक हजार से भी ज्यादा बेनर पोस्टर हटाए , लापरवाही करने वाले पर कार्यवाही - आयुक्त

भिलाई। विधान सभा आम चुनाव में आचार संहिता का पालन कराने रिसाली निगम का अमला जुटा हुआ है। शुक्रवार को निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने संपति विरूपण कार्यवाही की समीक्षा की। उन्होंने चुनावी कार्य में लापरवाही बरतने पर सीधे निलंबन की चेतावनी भी दी। आदर्श आचार संहिता के तहत शुक्रवार तक रिसाली निगम क्षेत्र में संपति विरूपण की कार्यवाही 1600 से भी अधिक की गई। दीवार लेखन को मिटाने 50 से भी अधिक पेंटर की ड्यूटी लगाई गई है। वही दर्जन भर से अधिक कर्मचारियों की ड्यूटी निरीक्षण करने लगाई गई है। आयुक्त ने सभी कर्मचारियों को निर्देश दिए है कि आचार संहिता का पालन हर हाल में होना चाहिए। किसी भी तरह की लापरवाही होने पर वे सीधी कार्यवाही करेंगे। आयुक्त ने निर्देश दिए है कि निगम के अधिकारी कर्मचारी चुनाव के परिपेक्ष्य में जारी गाइड लाइन पर कार्य करे। अगर किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो सीधे थाना जाकर शिकायत करे। आयुक्त ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में नियमित रूप से कार्य वाही करने कहा है।

निगम क्षेत्र में नव निर्मित तलों की जांच कर नये सिरे से होगी संपत्तिकर की गणना

भिलाई। निगम क्षेत्र के भवनो का संपत्तिकर, यूजर चार्ज, जल कर, भू-भाटक, दुकान किराया वसूली का कार्य राजस्व वसूली ठेका प्राप्त एजेंसी श्री पब्लिकेशन एण्ड स्टेशनर्स प्राईवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। एजेंसी के प्रतिनिधि भवनों में पहुँचकर निर्मित तलो की जॉच कर रहे है ताकि भवन मालिक द्वारा प्रस्तुत स्व विवरणी के साथ मिलान कर वास्तविक संपत्तिकर की गणना हो सके। निगम द्वारा आवासीय, व्यवसायिक एवं अन्य भवनों से राजस्व वसूली हेतु एजेंसी को अधिकृत किया गया है, एजेंसी के कर्मचारी जोन 1 के घरो में जा कर पूर्व से निर्मित भवनों में तलो की वृद्धि तथा विवरणी में बताए क्षेत्रफ्ल की जॉच किया जा रहा है। एजेंसी द्वारा किये जा रहे जांच में भवन मालिकों के प्रस्तुत संपत्ति के स्वविवरणी में भिन्नता आ रही है, भिलाई निगम क्षेत्र के सभी भवनों का जांच किया जाना है जिसकी शुरूआत जोन 01 के 15 वार्डों के भवनो की जांच से किया गया है। निगम प्रशासन ने क्षेत्र के भवन मालिको से अपील किया है कि भवन का स्व विवरणी भरते समय मकान में बने तलों की संख्या निर्मित कुल क्षेत्र तथा रिक्त क्षेत्र की स्पष्ट जानकारी देकर अंतर की स्थिति में लगने वाले 5 गुना शास्ति राशि के देय से बचा सकता है। निगम में संपत्तिकर राशि का भुगतान दिसंबर तक करने पर 2 प्रतिशत छूट का प्रावधान किया गया है इसका लाभ उठाए।

मतदान दलों का प्रथम रेन्डमाईजेशन सम्पन्न

दुर्ग। मतदान दलों का प्रथम रेन्डमाईजेशन का कार्य गुरूवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार मीणा, सीईओ जिला पंचायत अश्विनी देवांगन, एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी बजरंग दुबे, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री एल. बी. सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कुल 3985 पुरूष मतदान दल अधिकारियों का प्रथम रेन्डमाईजेशन किया गया।

बीएसपी ने जीबीएम 7 वें खदान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 की मेजबानी की

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के लौह अयस्क कॉम्प्लेक्स (आईओसी) दल्ली राजहरा ने भारतीय खदान ब्यूरो रायपुर क्षेत्र के तत्वावधान में, 7 वें खदान पर्यावरण और खनिज संरक्षण सप्ताह 2023-24 की सामान्य निकाय बैठक (जीबीएम) की मेजबानी की। एमईएमसी 2023-24 की 7 वीं जीबीएम, 13 अक्टूबर 2023 को भिलाई निवास के एमपी हॉल में आयोजित की गई थी। इस अवसर पर क्षेत्रीय खान नियंत्रक (आईबीएम रायपुर) एवं संरक्षक (एमईएमसी सप्ताह 2023-24) प्रेम प्रकाश, मुख्य अतिथि थे। एमईएमसी सप्ताह 2023-24 के लिए इस वर्ष की थीम 'क्लीन माइन्स ग्रीन माइन्स' है।

इस अवसर पर, कार्यपालक निदेशक (रावघाट) और अध्यक्ष (एमईएमसी सप्ताह 2023-24) समीर स्वरूप, कार्यपालक निदेशक (खदान) और सह-अध्यक्ष बी के गिरी, मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवार, क्षेत्रीय खनन भूविज्ञानी (आईबीएम रायपुर) और समन्वयक (एमईएमसी सप्ताह 2023-24) देवदुर्लभ दाश और वाइस प्रेसिडेंट (मैसर्स गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड) और उपाध्यक्ष जी आर वर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आईबीएम रायपुर के डीसीओएम उपाध्याय सहित छत्तीसगढ़ की 67 खदानों के 138 प्रतिनिधियों ने 7 वें एमईएमसी सप्ताह 2023-24 की एक दिवसीय आम सभा की बैठक में हिस्सा लिया था। बैठक की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुई।

मुख्य अतिथि प्रेम प्रकाश ने अपने संबोधन में कहा, कि खनिज हमारे जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, जैसा कि हम कहते हैं कि 'हर किसी के जीवन में थोड़ा सा सेल है' वैसे ही यह कहना भी सारहीन नहीं होगा कि 'हर किसी के जीवन में थोड़ा सा खनिज। हालाँकि हमारे पर्यावरण में खनिज सीमित हैं और जितना अधिक हम इन संसाधनों का उपयोग करेंगे, इसका पर्यावरण पर उतना ही प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। इसलिए हमें इसका विवेकपूर्ण तरीके से उपयोग करने और न्यूनतम अपशिष्ट के साथ खनिजों के उपयोग के लिए अधिक अनुसंधान और तकनीकी विकास करने की आवश्यकता है। साथ ही साथ पर्यावरण के संरक्षण के लिए भी प्रयास करने की आवश्यकता है।

एमईएमसी सप्ताह 2023-24 के लिए इस वर्ष की थीम पर बोलते हुए, श्री प्रकाश ने कहा कि खानों के समावेशी विकास के लिए हरित ऊर्जा और स्वच्छता भी महत्वपूर्ण है, हमें इसके लिए व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम की मेजबानी के लिए भिलाई इस्पात संयंत्र को भी धन्यवाद दिया और बड़ी संख्या में भागीदारी के लिए प्रतिभागियों की सराहना की।

अपने सम्बोधन में समीर स्वरूप ने उपस्थित सभी लोगों से, पर्यावरण पर कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए काम करने और भविष्य में एक स्थायी खनन रणनीति अपनाने का आग्रह किया। बी के गिरि ने अपने स्वागत भाषण में सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया। खासकर खनन क्षेत्रों में और खनन कंपनियों से खनिज संरक्षण को अपनाने और कम गुणवत्ता वाले अयस्कों का पूरा उपयोग करने के लिए पर्याप्त तकनीक विकसित करने का आग्रह किया। देवदुर्लभ दाश ने 7 वीं एमईएमसी 2023-24 के महत्व पर जानकारी दी और एमईएमसी सप्ताह 2023-24 के कार्यकारी निकाय के गठन और एमईएमसी सप्ताह के सफ्ल संपादन से सम्बंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की।

महाप्रबंधक (खदान) और सचिव चिंतला श्रीकांत एवं उप महाप्रबंधक (राजहरा) और कोषाध्यक्ष (एमईएमसी सप्ताह 2023-24) द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया। आर बी गहरवार ने धन्यवाद प्रस्तावित किया तथा सीएसआर की श्रीमती रजनी रजक ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर भारत सरकार के मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमृत कलश यात्रा हेतु छत्तीसगढ़ के विभिन्न खदानों से लाई गई मिटटी से भरे 13 कलशों में पौधे भी रोपे गए।

कलेक्टर मीणा ने ली नोडल अधिकारियों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में विधानसभा निर्वाचन-2023 के तैयारियों के संबंध में नोडल अधिकारियों की अद्यतन कार्यों की पी.पी.टी. के माध्यम से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी दी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश के तहत सुनिश्चित करेंगे।

उन्होंने निर्वाचन कार्यों के लिए निर्वाचन व्यय से संबंधित कार्य मतदान दलों के लिए सामग्रियां, डाक मतपत्र की व्यवस्था, अनुमति, डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन प्लान, मतदान दल रूट चार्ट, चिन्हित मतदाता सूची तैयार करने, ई.व्ही.एम. एवं वी.वी.पैड, रेण्डमाइजेशन एवं कमिशनिंग कार्य, मतदान केन्द्रों की वेब कॉस्टिंग, सी-विजिल में दर्ज शिकायतें, मतदान केन्द्रों में नि:शक्त सहायता केन्द्र, वाहन व्यवस्था, मतपत्र छपाई, विडियोग्राफी, प्रशिक्षण प्रबंधन, स्वीप कार्यक्रम, एम.सी.सी., बैलेट पोस्टल पेपर आदि की जानकारी ली। उन्होंने मीडिया प्रमाणन व निगरानी समिति की सुचारू संचालन व निर्वाचन प्रेक्षकों की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली।

बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद एक्का, जिला पंचायत सी.ई.ओ. अश्वनी देवांगन, दुर्ग नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, रिसाली नगर निगम आयुक्त आशीष देवांगन, अपर कलेक्टर गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्रीमती योगिता देवांगन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी वी.के. दुबे सहित सभी नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

नोनी -जोहार कार्यक्रम में सम्मानित हुए युवोदय दुर्ग के दूत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिला प्रशासन और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वावधान में जिले में जागरुकता कार्य हेतु युवोदय दुर्ग के दूत कार्यक्रम संचालित किया जा रहा हैं। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के मार्गदर्शन एवं अपर कलेक्टर व दुर्ग दूत कार्यक्रम के नोडल अधिकारी रोहित व्यास के दिशा निर्देश में दुर्ग दूत स्वयंसेवकों के द्वारा जिले में जागरुकता कार्य किया जा रहा है।

जनसंपर्क विभाग, यूनिसेफ अलायंस फॉर बिहेवियर चेंज के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर 10 व 11 अक्टूबर को 2 दिवसीय नोनी जोहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 10 अक्टूबर विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा मानसिक तनाव के कारण एवं निदान की जानकारी दी गई इसके साथ खेल का भी आयोजन किया गया।

11 अक्टूबर अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर अभिनेत्री स्मृति कालरा नोनी जोहार कार्यक्रम में शामिल हुई एवं उनके द्वारा राज्य के सभी जिलों में किए जा रहे स्वयं सेवकों के कार्य की सराहना किया गया। दुर्ग के दूत स्वयं सेवकों के द्वारा जिले में किशोर किशोरी स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, एएनसी चेकअप, पोषण जैसे विषयो में जिले के अलग - अलग क्षेत्रों में लगातर जागरूकता कार्य किया जा रहा है। जिला समन्वयक शशांक शर्मा, किशोर किशोरी सशक्तीकरण एवं दुर्ग दूत के नेतृत्व में जिला से स्वयं सेवक नोनी जोहार कार्यक्रम में शामिल हुए और सम्मानित हुए।

इसके पहले भी 15 अगस्त को जिला प्रशासन के द्वारा एवं अन्य संस्थाओं के द्वारा दुर्ग दूत की टीम सम्मानित हुए है। नोनी जोहार कार्यक्रम में जिले से जिला समन्वयक शशांक शर्मा,दुर्ग दूत स्वयंसेवको में प्रगति मोहबे, योगेश कुमार साहू, छत्रपाल साहू, प्रकाश साहू, ममता देवांगन, खुशबू खर्चे, हर्ष शिवारे, पूजा सावजी, लाक्छी हेडाऊ, झरना साहू,डिकेश साहू, सम्मलित हुए।

गर्ल्स कॉलेज में मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय डॉ. वा. वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ''मेरी माटी, मेरा देश''। अभियान के अन्तर्गत अमृत कलष यात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषील चन्द्र तिवारी द्वारा शीला फ्लकम् कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को पंचप्रण की प्रतिज्ञा दिलाई गई।

छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देष के बहादुर वीरों ने तथा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों ने देष की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहूति देदी। हमसबका दायित्व है कि वीरों का सम्मान करते हुए देष सेवा के लिये संगठित एवं समर्पित होकर कार्य करें।

राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यषेष्वरी ध्रुव ने बताया कि छात्राओं द्वारा अपने घरों से एक मुट्ठी चावल और एक मुट्ठी मिट्टी एकत्रित किया और हाथ में मिट्टी लेकर देष के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अमृत कलष का निर्माण किया।

अमृत कलश की यात्रा महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-दो की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती वंदना बंजारे तथा सलाहकार समिति की सदस्य डॉ. अनुजा चैहन कलष यात्रा में उपस्थित थी। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवक कु. पूजा चेलक, कु. नम्रता बंजारे, कु. लक्ष्मी, कु. खषबू ने सक्रिय भागीदारी की।

आज का हर युवा आईपीएस, आईएएस, डॉक्टर बनने का बल रखता है, उसके लिए आत्मविश्वास बढ़ाना और अच्छी पढ़ाई जरूरी: पं. मिश्रा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भक्ति के जनसैलाब के साथ कोड़िया में सात दिनों से चल रही गौ पितर शिवमहापुराण कथा का विराम शुक्रवार को हुआ। अंतिम दिन सुबह 8 से 11 बजे तक कथा हुई, जिसे सुनने लाखों भक्त सूर्योदय के पहले से पहुंच चुके थे। स्थिति यह थी कि हजारों भक्त ऐसे भी थे, जिन्हें पंडाल के करीब तक पहुंचने का अवसर नहीं मिला। अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा ने कहा कि कथावाचक पं. मिश्रा ने कहा कि आज का युवा आईपीएस, आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर बनने का बल रखता है, लेकिन इसके लिए तुम्हें अपनी अपना आत्मविश्वास बढ़ाना होगा और अच्छी पढ़ाई करनी होगी। कोई यदि तुमसे कहता है कि तुम ये सब नहीं बन सकते तो देवाधिदेव महादेव से कहो कि तुम्हे मुझे यह बनाना ही होगा। शिवमहापुराण की कथा हममें आत्मविश्वास को बढ़ाती है, जो सफ्लता का सबसे बड़ा सूत्र है। शिवमहापुराण मनुष्य हो दो चीजें सिखाती है। पहला स्वयं का आत्मविश्वास और दूसरा हमारे दिल की बात भगवान शंकर के चरणारबिंद तक पहुंचाना। अंतिम दिन की कथा में यजमान काशीनाथ साहू व प्रदीप साहू ने पोथी धारण की।

साईंस कॉलेज में एकेडेमिया-इण्डस्ट्री इन्टरफेस विषय पर बैठक संपन्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग की आंत्रप्रिन्योरषिप सेल एवं इन्क्यूबेषन सेंटर के एडवायजरी बोर्ड की प्रथम बैठक दिनांक 11.10.2023 को आयोजित की गयी। इस एडवायजरी बोर्ड में प्रदेष के अत्यंत सफ्ल उद्यमियों जैसे- हरीष सक्सेना, सीजीएम, डिस्ट्रिक ट्रेड एण्ड इन्डस्ट्री सेंटर, दुर्ग, अमित श्रीवास्तव सीईओ मेटेक्स ग्रुप ऑफ कंपनिज भिलाई, एस.के. मोहंती, एमएसएमई टेक्नालॉजी सेंटर, दुर्ग षिरीष टांक मैनेजिंग डायरेक्टर, एसआरटी ग्रुप ऑफ एग्रो इण्डस्ट्रीज फुण्डा, रायपुर, श्री राकेष अस्थाना, रिटायर्ड जीएम, भिलाई इस्पात संयत्र एवं देवाशीष गुप्ता पूर्व सीटीओ, आर सेलर मितत्तल बोसनिया, हरजेगोविनिया आदि सम्मिलित थे।

एकेडेमिया-इण्डस्ट्री इन्टरफेस विषय पर आधारित इस बैठक का मुख्य उद्देष्य प्रदेष के इस एक मात्र ए प्लस महाविद्यालय में उत्कृष्ट षिक्षा प्रदान करने के साथ ही साथ विद्यार्थियों ने उद्यमिता हेतु रूचि जागृत करने के उपायों पर विचार-विमर्ष करना था, जिससे विद्यार्थी भविष्य में केवल सरकारी नौकरियों पर ही आश्रित न रहे। अपितु अपनी रूचि के अनुसार नये-नये रोजगार में संलग्न होकर अपनी आजीविका चलाने के साथ ही दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर निर्मित कर सकें। बैठक में सर्वप्रथम उद्यमिता सेल की संयोजक डॉ. सोमाली गुप्ता ने महाविद्यालय में उपलब्ध संसाधनों का परिचय सभी से कराते हुए बताया कि नयी षिक्षा नीति के अनुसार कौषल विकास युक्त पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को आजीविका अर्जित करने में अत्यंत सहायक होंगे। इसके लिए हमारे महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल एवं कैरियर मार्गदर्षन की सुविधा पहले से ही उपलब्ध है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने सभी उद्यमियों एवं उपस्थित सदस्यों का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया एवं कहा कि इन सफ्ल उद्यमियों के बहुमूल्य सुझावों से निष्चित ही महाविद्यालय उद्यमिता के क्षेत्र में नये आयामों तक पहुंचेगा। श्री षिरीष टांक ने अपने सुझाव देते हुए कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में अपार संभावनायें हैं। विद्यार्थी नवीन तकनीकी के अनुसार कम लागत एवं कम क्षेत्र में जैविक खाद तैयार करने की दिषा में उत्कृष्ट कार्य कर सकते है साथ ही उन्होंने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को शोध करने एवं सहयोगात्मक प्रोजेक्ट तैयार करने का प्रस्ताव दिया। मोहंती जी ने इस कार्यक्रम को महाविद्यालय का एक सार्थक पहल बताते हुये कहा कि छात्रों में उद्यमिता के प्रति रूझान उत्पन्न करने हेतु पाठ्यक्रम में आवष्यक बदलाव किये जाने चाहिए। श्री अमित श्रीवास्तव जी ने सुझाव दिया कि महाविद्यालय छात्रों को तथ्यात्मक विष्लेषण विषय में विषेषज्ञता तथा प्रैक्टिकल नॉलेज बढ़ाने हेतु प्रयास किये जाने चाहिए। श्री हरीष सक्सेना जी ने धीरू भाई अंबानी का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हर उद्योग में एक सकारात्मक सोच रखने वाले एवं मेहनती छात्रों की आवष्यकता है।

यातायात पुलिस दुर्ग ने डोगरगढ़ जाने वाले पदयात्रियों के लिए रूट प्लान बनाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) द्वारा पदयात्रियो एवं नवरात्रि संबंधित यातायात व्यवस्था के लिए यातायात जोन प्रभारी एवं अधिकारीयों की मिटिंग लेकर दिये गये निर्देश.. रात्रि के समय हाईवे मे 04 पेट्रोलिंग वाहन तैनात रहेगी यातायात पुलिस के पदयात्रियों से अपील है कि दुर से दिखाई देने वाले वस्त्रों का प्रयोग करे एवं बैग/पीठ मे रेडियम स्टीकर लगाकर चले।

पदयात्रि सर्विस रोड का प्रयोग करे हाईवे व बाइपास मार्ग का प्रयोग न करें। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का प्रयोग करे एवं तीन सवारी यात्रा न करे। माल वाहक वाहन में बिलकुल भी यात्रा ना करे। पदयात्रियों के लिये यातायात हेल्पलाइन नम्बर 9479192029 जारी किया गया। उप पुलिस अधीक्षक (यातायात) के द्वारा नवरात्रि में मां बमलेश्वरी के दर्शन के लिए डोगरगढ़ जाने वाले पदयात्रियों की सुरक्षा के मददेनजर एवं नवरात्रि में दुर्गा पंडालो मे होने वाली भीड के दौरान सुगम एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए आज दिनांक 13.10.2023 को यातायात मुख्यालय में समस्त यातायात जोंन प्रभारी एवं अधिकारीयों की मिटिंग लेकर अपने-अपने जोन एवं बिट क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित क्षेत्र के नगर निगम, बिजली विभाग, बीएसपी एवं ग्राम पंचायत से मिलकर उचित प्रकाश व्यवस्था, पानी, साफ-सफाई, पदयात्रियों के लिए बेरिकेटिंग करने हेतु निर्देश दिए गए साथ ही नवरात्रि के दौरान शाम के समय दुर्गा पंडालों में होने वाली भीड के दौरान मार्ग व्यवस्था बाधित न हो इस हेतु बडे पंडालों के सदस्यो से मिलकर व्यवस्था बनाने बताया गया। साथ ही साथ यातायात पुलिस दुर्ग पदयात्रियों से निर्धारित मार्ग मे चलने एवं वाहन चालको से निम्न सावधानियां रखने की अपील करती है।

दर्शन के लिए जाने वाले पदयात्रियों से अपील

पदयात्रि मार्ग:- कुम्हारी - चरोदा -सिरसागेट चौक - डबरापारा - खुर्सीपार चौक - पावर हाउस चौक - पावर हाउस अण्डरब्रिज - मुर्गा चौक - सेन्ट्रल एवेन्यू मार्ग - सेक्टर 09 चौक - 32 बंगला तिराहा - वाईसेप ब्रिज - मालवीय नगर चौक - पटेल चौक - गंजपारा - पुलगांव चौक - शिवनाथ नदी ब्रिज - अंजोरा बस्ती - अंजोरा बाईपास। पदयात्री अपने पीठ पर या बैग में रेडियम स्टीकर लगाकर चले एवं रिफ्लेक्टिव कपडे पहने डार्क कलर का कपडा ना पहनें ताकि वाहन चालक को आप आसानी से दिखाई दे सकें। सड़क के एकदम किनारे बांये ओर चले वाहन चलने वाले सडक पर ना चले ताकि दुर्घटना से बच सकें। देर रात यात्रा प्रारंभ करने से बचें। प्रशासन द्वारा निर्धारित पदयात्रा मार्ग पर ही चले। पदयात्रा के दौरान सड़क पर विश्राम ना करे अन्यथा एक गंभीर दुर्घटना के शिकार हो सकते है। पदयात्रा मार्ग पर बांये ओर वाहन चल रहे होगें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950